राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 344
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 25 जून 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 उपराज्यपाल दिल्ली ने कनॉट प्लेस में पुराने पेड़ों की अतिवृद्धि और मृत शाखाओं की वैज्ञानिक छंटाई के लिए अभियान शुरू किया

पेज 5 बस से टकराकर बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत; बर्थडे पार्टी मनाकर लौट रहे थे तीनों युवक

पेज 7 पाई-पाई को परेशान पाकिस्तान ने अब अमीरों पर लगाया 10 पर्सेंट 'सुपर टैक्स', अर्थव्यवस्था चलाना मुश्किल

नेशनल हाईवे पर हादसा, जिंदा जले 3 एमबीबीएस स्टूडेंट

लापरवाह एनएचएआई डायरेक्टर और गावड़ कंपनी पर एफआईआर

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में हादसे के बाद 3 एमबीबीएस छात्रों के कार में जिंदा जल जाने के मामले में थाना राई पुलिस ने नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आनंद दहिया और गावड़ कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि तीनों मौतों के लिए ये जिम्मेदार हैं। नेशनल हाइवे के बीच में सीमेंट के बैरिकेड रख दिए गए थे और वहां ऐसा कोई इंतजाम नहीं किया गया, जिससे पता चले कि आगे रोड बंद है। हादसे को लेकर पुलिस की छानबीन जारी है।

ऐसे हुआ था हादसा

बताया गया है कि गुरुग्राम निवासी रोहित गौरिया, पुलकित निवासी नारनौल, संदेश निवासी रेवाड़ी, नरवीर यादव निवासी सिलारपुर, सोमवीर निवासी दुबलधन और अंकित हुड्डा निवासी खिडवाली रोहतक PGIMS में एमबीबीएस कर रहे थे। ये बुधवार रात को आई-20 कार में सवार होकर रोहतक से हरिद्वार के लिए निकले थे। नेशनल हाईवे 334बी जो कि झज्जर से मेरठ जाता है, से वे सोनीपत पहुंचे। इस बीच उनकी कार बहालगढ़ फ्लाई ओवर के पास पहुंची तो पत्थर के बैरिकेड से टकरा गई। कार में आग लग गई और रोहित, पुलकित व संदेश की जिंदा जलने से मौत हो गई। तीन अन्य घायल हो गए।

ये हैं 3 मौतों के जिम्मेदार

सोनीपत में दर्दनाक हादसे का शिकार हुए तीनों भावी डॉक्टरों में से एक रोहित के पिता जयसिंह ने तीनों मौतों के लिए NHAI और गावड़ कंपनी को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस को दी शिकायत में उसने बताया कि उनके बेटे की गाड़ी मेरठ रोड़ पर बहालगढ़ के पास सडक के बीचों बीच लगे पत्थरों के बैरिकेड से टकराई थी। उन पत्थरों पर NHAI के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा किसी प्रकार का रीफ्लैक्टर, पेन्ट, चिन्ह, मार्का, रोड डाई वर्जन, Blinker लाइट जैसी कोई व्यवस्था नही की गई थी। जिससे कि वाहन चालकों को पता लगे कि आगे रोड बंद है और उनको टर्न करना है। ये प्रोजेक्ट डायरेक्टर आनंद दहिया की घोर लापरवाही है। उनकी लापरवाही के चलते ही उसके बेटे रोहित, पुलकित व संदेश की हादसे में मौत हुई है। इनके साथी सोमवीर, नरवीर यादव व अंकित हुड्डा घायल हैं। रोड का निर्माण गावड़ कंपनी की ओर से किया जा रहा है और कंपनी भी हादसे के लिए बराबर की जिम्मेदार है।

इनके खिलाफ केस दर्ज

थाना राई के जांच अधिकारी ASI संजीव ने बताया कि पुलिस ने मृतक छात्र के पिता जय सिंह के बयान पर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आनंद दहिया और गावड़ कंपनी के खिलाफ धारा 283/337/304ए IPC के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस की छानबीन जारी है। तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के बाद वारिसों को सौंप दिया गया है।

इकलौता बेटा था पुलकित

सोनीपत हादसे में जिंदा जलकर मौत के आगोश में गए तीन एमबीबीएस छात्रों में नारनौल का सेक्टर-1 निवासी पुलकित भी है। उनके पिता रमेश कुमार राजस्थान में समाज कल्याण अधिकारी हैं।

उसकी मां शिक्षिका है। मां-बाप का वह इकलौता बेटा थ्का। उसकी एक बड़ी बहन है जो कि एमबीबीएस करने के बाद भोपाल से पीजी कर रही है। हादसे के बाद से परिवार में मातम पसरा है।

राष्ट्रीय सम्मेलन

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले और खेल मंत्री, अनुराग सिंह ठाकुर शुक्रवार को गुजरात के केवड़िया में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

3 दिन का डेटा वापस देगा एयरटेल : भोजपुर के यूजर ने उपभोक्ता कोर्ट में किया था केस, 'अग्निपथ' में हुई थी नेटबंदी

एजेंसी

आरा (भोजपुर)। भोजपुर के मोबाइल यूजर को एयरटेल 3 दिनों का डेटा वापस करेगी। इस यूजर ने इंटरनेट बंदी के दौरान हुए डेटा के नुकसान को लेकर टेलीकॉम कंपनी के खिलाफ राष्ट्रीय कंज्यूमर फोरम में ऑनलाइन शिकायत की थी।

शंकर प्रकाश चरपोखरी के रहने वाले हैं। अग्निपथ योजना के विरोध में हुए उग्र प्रदर्शन के चलते भोजपुर जिले में भी इंटरनेट बंद किया गया था। इसे लेकर शंकर प्रकाश ने शिकायत की थी।

शंकर प्रकाश के भाई आनंद प्रकाश ने बताया कि उनकी शिकायत संख्या 3592864 है। शिकायत की स्थिति जानने को लेकर आज हमने राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम के टोल फ्री नंबर 1800114000 पर कॉल किया। वहां से जानकारी मिली कि आपकी सुनवाई हो चुकी है।

टेलीकॉम कंपनी आपके 3 दिन का डेटा और वैलिडिटी वापस करेगी।

अभी आपके प्लान की वैलिडिटी 8 अप्रैल 2023 तक है। उसके बाद आपके नंबर पर 3 दिन का डेटा और वैलिडिटी बढ़ा दी जाएगी।

इससे संबंधित आधिकारिक मैसेज कंपनी ने उनके नंबर पर एक हफ्ते में भेज दिया जाएगा।

अगर मैसेज नहीं आया तो यूजर फिर से हेल्पलाइन पर संपर्क कर शिकायत कर सकते हैं।

रिस्पॉन्स से संतुष्ट नहीं, सबके डेटा हो वापस

आनंद प्रकाश ने सवाल किया कि क्या उनकी तरह सभी यूजर का खोया हुआ डेटा वापस मिलेगा, इस पर कंज्यूमर फोरम के प्रतिनिधि ने कहा कि यह सुविधा सिर्फ उन्हें ही दी जा रही है।

इस पर आनंद प्रकाश ने कहा कि वह कंपनी के इस रिस्पॉन्स से संतुष्ट नहीं हैं, और चाहते हैं कि सभी का खोया हुआ डेटा वापस मिले।

रेलवे के ठेका माफिया का होगा सफाया, ठेकों का होगा ई-आवंटन

नयी दिल्ली। भारतीय रेलवे ने किराये भाड़े से इतर राजस्व अर्जन के लिए छोटे बड़े सभी तरह के ठेकों के आवंटन की प्रक्रिया को पूरी तरह से मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त इलैक्ट्रॉनिक प्रणाली के तहत ला दिया जिससे ठेका आवंटन की प्रक्रिया महीनों के बजाय चंद दिनों में पूरी हो जाएगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां रेल भवन में इस पोर्टल का लोकार्पण किया। इस मौके पर रेल राज्य मंत्री दर्शना जरदोश वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं जबकि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी के त्रिपाठी कार्यक्रम में मौजूद थे।

इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजीटल इंडिया के विज़न के अनुरूप है। इस पोर्टल के माध्यम से रेलवे स्टेशनों एवं रेल परिसरों में वाहन स्टैंड, चाय या स्वल्पाहार की दुकान आदि के टेंडर की प्रक्रिया को सबके लिए खुला एवं पारदर्शी बनाया गया है जिसमें मानवीय हस्तक्षेप नगण्य होगा। कोई भी व्यक्ति पोर्टल पर पंजीकरण करके टेंडर दाखिल करेगा और उसे टेंडर का आवंटन होते ही ई-हस्ताक्षर वाला आवंटन पत्र प्राप्त हो जाएगा और जल्द से जल्द वह काम शुरू कर सकेगा। इससे रेलवे के टेंडरों में माफिया राज खत्म हो जाएगा। रेलवे को राजस्व में वृद्धि होगी और लोगों को साफ सुथरे ढंग से काम करने का मौका मिलेगा।

विधानसभा में मूसेवाला हत्याकांड पर घिरी सरकार

कांग्रेस और अकाली दल ने सरकार को ठहराया जिम्मेदार; सिक्योरिटी घटाने और सार्वजनिक करने पर सवाल

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के बजट सेशन के पहले दिन आम आदमी पार्टी सरकार पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या पर घिर गई। कांग्रेस और अकाली दल ने सरकार को इसका जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इंटेलिजेंस इनपुट होने के बावजूद मूसेवाला की सिक्योरिटी घटाई गई। इसके बाद उसे सार्वजनिक भी कर दिया गया। जिसके बाद मूसेवाला की हत्या हो गई। वहीं आज के विधानसभा सेशन की कार्रवाई खत्म हो गई है। कल सुबह फिर सेशन की कार्रवाई शुरू होगी। यह सेशन 30 जून तक चलेगा।

कांग्रेस विधायक अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि एक साल पहले इंटेलिजेंस ब्यूरो का अलर्ट आया था। जिसमें मूसेवाला को हाइएस्ट थ्रैट बताया गया था। कांग्रेस सरकार ने उसे 10 कमांडों दिए थे। फिर गैंगस्टर शाहरूख ने भी कहा कि वह मूसेवाला को मारने गए थे। मगर, वहां कमांडों देख लौट आए। फिर आप सरकार ने पहले 10 गनमैन घटाकर 4 कर दिए। फिर बिना देखे उनके पास सिर्फ 2 गनमैन छोड़ दिए गए। इसके बारे में सार्वजनिक तौर पर भी बता दिया।

यह बहुत बड़ी गलती, सरकार गलती कबूल करे : बाजवा

विपक्षी दल नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने पंजाब पुलिस को अलर्ट किया था कि मूसेवाला की हत्या की साजिश रची जा रही है। मूसेवाला की सिक्योरिटी घटा दी गई। यह बहुत बड़ी गलती है। उसे कबूल करना चाहिए। सिक्योरिटी की जानकारी सार्वजनिक करने का अंजाम मूसेवाला की हत्या है। बाजवा ने कहा कि मूसेवाला की सिक्योरिटी क्यों कम गई ?। बाजवा ने कहा कि मूसेवाला की हत्या की साजिश तिहाड़ जेल में रची गई। लॉरेंस वहां फोन यूज कर रहा था। यह जेल दिल्ली ष्टरू अरविंद केजरीवाल के अधीन आती है।

सरकार ही जिम्मेदार : अयाली

अकाली दल के विधायक मनप्रीत अयाली ने भी मूसेवाला की हत्या के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि मूसेवाला की सिक्योरिटी घटाई गई और फिर इसे सार्वजनिक कर दिया गया।

लॉ एंड ऑर्डर पर हंगामा, बाजवा बोले- कोई गोली मार देगा

पंजाब विधानसभा के बजट सत्र में हंगामा हो गया है। विपक्षी दल पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दे पर बहस करवाने पर अड़ गए हैं। उनका कहना है कि जहां सीएम भगवंत मान कह रहे हों कि मेरी जान खतरे में है तो फिर पंजाब में कौन सुरक्षित होगा। इस मुद्दे पर बहस होनी चाहिए। स्पीकर कुलतार संधवां ने बाजवा को कहा कि उन्हें काफी तजुर्बा है। इस पर कल सीएम बयान देंगे।

इस पर बाजवा बोले कि सब तजुर्बा धरा रह जाएगा, अगर किसी ने शाम को गोली मार दी। हालांकि स्पीकर के आदेश पर इसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा शुरू कर दी गई। इसी दौरान कुछ कांग्रेसी सदन से बाहर निकल गए। इससे पहले सुबह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला समेत 11 बिछड़ी आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई।

मोदी की तानाशाही का युवक भुगत रहे हैं खामियाजा : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रवैया तानाशाही है और वह सिर्फ मित्रों की बात पर ध्यान देते हैं और देश के वीर सैनिकों को नजरअंदाज करते हैं।

गांधी ने ट्वीट किया, एक तरफ़ देश के परमवीर हैं और दूसरी तरफ़ प्रधानमंत्री का घमंड और तानाशाही। क्या 'नए भारत' में सिर्फ़ 'मित्रों' की सुनवाई होगी, देश के वीरों की नहीं।

इसके साथ ही उन्होंने परमवीर चक्र विजेता बाना सिंह के बयान वाली एक खबर पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि मोदी को अग्निपथ योजना सेना को बर्बाद कर देगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी अग्निपथ को लेकर ट्वीट करते हुए कहा, दिल्ली की तख़्त से बिना सोचे समझे देते है फ़रमान—देश और युवकों को भुगतना पड़ता है इसका अंजाम। रमेश ने ट्वीट के साथ एक खबर भी पोस्ट की है जिसमें कहा गया है कि दो साल में सेना में शामिल होने के लिए 50 हज़ार युवाओं की मेहनत पर पानी भर गया है। उन्होंने जो परीक्षा पास की है उसका अब कोई अर्थ नहीं रह गया और सारी परीक्षाएं अग्निपथ के कारण रद्द कर दी गई है।

युवाओं के साथ धोखा कर रही है मोदी सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली । कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार अग्निपथ योजना के तहत न सिर्फ देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही है बल्कि देश के युवाओं साथ भी धोखा किया जा रहा है। राजस्थान सैनिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद लेफ्टिनेंट कर्नल मानवेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज से अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है और इससे करीब 50 हजार उन युवाओं के साथ धोखा हुआ है जो सेना में भर्ती के लिए विभिन्न परीक्षाएं पास कर चुके है और उन्हें अब सिर्फ मेरिट सूची में नाम आने का इन्तज़ार थस। उनकी सारी परीक्षाएं इस योजना के कारण रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि अग्निपथ के कारण अब दो तरह के सैनिक सेना में होंगे। इन सैनिकों में एक वे सैनिक हैं जिन्हें पूरा वेतन, भत्ता और अन्य सारी सुविधाएं मिलेंगी और दूसरे वे जिनको चार साल की नौकरी पर रखा जाएया। इससे सैनिकों में निराशा पैदा होगी।

'वैश्विक चुनौतियों के हल खोजने में बढ़ रही है भारत की भागीदारी'

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 एवं 27 जून को जर्मनी के श्लॉज़ एल्माउ शहर में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने जाएंगे जहां उनकी जी-7 देशों तथा अर्जेंटीना, इंडोनेशिया, सेनेगल एवं दक्षिण अफ्रीका के नेताओं से द्विपक्षीय मुलाकात होगी। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से श्री मोदी की यात्रा का विवरण साझा करते हुए कहा कि जी-7 शिखर बैठक में भारत की नियमित रूप से भागीदारी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि विश्व के सम्मुख मौजूदा चुनौतियों के समाधान ढूंढ़ने के प्रत्येक सतत प्रयास में भारत की भागीदारी की जरूरत को स्वीकृति बढ़ रही है।

विदेश सचिव ने कहा कि श्री मोदी जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज़ के निमंत्रण पर वहां होने वाली जी-7 शिखर बैठक में भाग लेने के लिए 26 एवं 27 जून को जर्मनी की यात्रा पर रहेंगे। शिखर बैठक में प्रधानमंत्री के पर्यावरण, ऊर्जा, जलवायु, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता और लोकतंत्र पर दो सत्रों को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि इन महत्वपूर्ण विषयों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से जी-7 शिखर बैठक में अर्जेंटीना, इंडोनेशिया, सेनेगल और दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य लोकतांत्रिक देशों को भी आमंत्रित किया गया है।

इंदौर के पुलिस कंट्रोल रूम में महिला अफसर को गोली मारी, फिर भोपाल के टीआई ने की खुदकुशी

इंदौर। भोपाल के एक टीआई ने इंदौर के पुलिस कंट्रोल रूम में खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। उन्होंने पहले एक महिला सब इंस्पेक्टर को गोली मारी, इसके बाद खुद जान दे दी। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने इसे प्रेम-प्रसंग का मामला बताया है।

भोपाल के श्यामला हिल्स थाने के टीआई हाकम सिंह इंदौर आकर महिला एसआई रंजना खांडे के साथ कॉफी पी रहे थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ और टीआई ने अचानक गोली चला दी। कंट्रोल रूम के बाहर दो फायर की आवाज सुन अन्य पुलिसकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो वहां कार के पास टीआई हाकम सिंह पवार और एसआई रंजना लहूलुहान पड़े थे। पुलिसकर्मियों ने समझा कि दोनों को किसी ने गोली मारी है।

जब वे पास पहुंचे तो माजरा समझ आया। टीआई के पैरों के पास उनकी सर्विस रिवॉल्वर पड़ी हुई थी। जब महिला तो हिलाया तो वह उठकर बैठ गईं और सड़क पर आ गईं। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पुलिस अधिकारी, स्न्रस्रुव अन्य टीमें पहुंच गईं। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र भी पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे।

घायल रंजना ने मीडिया से सीधे बात नहीं की। उनके नजदीकी लोगों का कहना है कि टीआई हाकम सिंह पंवार और महिला एसआई के बीच कार को लेकर विवाद चल रहा था। महिला ने हाकम सिंह से कार खरीदी थी, लेकिन टीआई ने कार ट्रांसफर नहीं की थी। इसी बात को लेकर दो-तीन दिन से दोनों में तनातनी चल रही थी। इसे लेकर शुक्रवार को भी दोनों में विवाद हुआ था।

ये भी बात सामने आ रही है कि टीआई हाकम सिंह इंदौर में पोस्टिंग के दौरान महिला एसएआई रंजना के घर में किराये से रहे थे।

कोविड-19

एक दिन में 4,000 बढ़ गए मामले, नई रिपोर्ट में दावा- बार-बार संक्रमण हो सकता है जानलेवा

चार महीने बाद 19,000 से ज्यादा नए कोरोना केस मिले

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 17 हजार 224 नए केस सामने आए हैं। ये आंकड़े 4 महीने में सबसे ज्यादा है। इससे पहले 19 जनवरी को 19,968 कोरोना केस मिले थे। वहीं, एक दिन पहले की बात की जाए तो बुधवार को कोरोना के 13,313 केस दर्ज किए गए थे, जो एक दिन में ही करीब 4 हजार बढ़ गए।

गुरुवार को 13 मरीजों की मौत हो गई। यह बुधवार के मुकाबले तीन गुना कम है। बुधवार को 38 मरीजों की मौत हुई थी। बीते 24 घंटों में 10,972 लोगों ने कोरोना को मात दी है। देश में 88, 284 मरीज कोरोना का इलाज करवा रहे हैं।

री-इन्फेक्शन में मामूली लक्षण भी हो सकते हैं जानलेवा

अमेरिका के एक अस्पताल की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना से दूसरी बार संक्रमित होने पर मामूली लक्षण भी खतरनाक हो सकते हैं। अमेरिका के जॉर्जिया में पॉल स्मिथ को फरवरी 2020 में कोरोना हुआ तो उन्हें सिर्फ एक दिन बुखार आया। गले में थोड़ी खराश थी, जो 3 दिन में ठीक हो गई। अस्पताल की नौबत नहीं आई। मार्च 2021 में पॉल दोबारा संक्रमित हुए। इस बार 13 दिन अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। फेफड़े 25 प्रतिशत तक सिकुड़ गए थे, 3 महीने बदन दर्द रहा। उन्हें अभी तक अच्छी नींद नहीं आती।

दिसंबर 2021 में पॉल तीसरी बार संक्रमित हो गए। 7 दिन आईसीयू में रहने के बाद 15 दिन सामान्य वार्ड में भर्ती रहे। अब उन्हें सेहत से जुड़ी कई समस्याएं हो गई हैं, जो 2 साल पहले नहीं थीं। अमेरिका में पॉल जैसे लाखों हैं, जो दो या इससे ज्यादा बार संक्रमित हो चुके हैं। संक्रामक रोग विशेषज्ञों ने ऐसे 5 लाख लोगों का सरकारी डेटा खंगाला है। इसके आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट बताती है कि व्यक्ति जितनी बार संक्रमित होता है, जान का खतरा उतना ही गुना बढ़ जाता है।

भारत की 95 प्रतिशत से अधिक लोग हो चुके हैं कोरोना संक्रमित

रिपोर्ट में बताया गया है अगर पहली बार संक्रमण के दौरान किसी तरह की हल्की समस्या भी आई हैं। दूसरी बार का संक्रमण उस समस्या को घातक बना सकता है। भारत में सितंबर 2021 में पता चला था कि 95त्न आबादी संक्रमित हो चुकी है। माना जा रहा है कि अभी जो 12 हजार मरीज रोज मिल रहे हैं, उनमें ज्यादातर दोबारा संक्रमण वाले हैं। इसलिए सरकार बार-बार सावधानी बरतने को कह रही है।

देश में कोरोना का हाल

अगर भारत के राज्यों में कोरोना की बात करें तो महाराष्ट्र कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित है। बीते 24 घंटे में यहां कोरोना के 5 हजार 218 नए केस मिले और एक मरीज की मौत हुई।

शार्ट न्यूज

कश्मीर : जंगली भालू के हमले में चार घायल

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक जंगली भालू के हमले से चार लोग घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में मल्पोरा गांव के दो लोग और तहब गांव के दो लोग जंगली भालू के हमले से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे श्री महाराजा हरि सिंह (एसएमएचएस) अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। जंगली भालू को पकड़ने के लिए वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंच गयी है।

कश्मीर में एनआईए ने की कई जगह छापेमारी

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने कई जगह छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनआईए की टीमों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहयोग से बारामूला, अनंतनाग, बांदीपोरा, सोपोर, पुलवामा और श्रीनगर सहित विभिन्न जिलों में छापेमारी की। उन्होंने कहा कि जम्मू के कठुआ क्षेत्र में भी छापेमारी की जा रही है। फिलहाल, यह पता नहीं चल पाया है कि ये छापेमारी किस विशेष आतंकवाद विरोधी मामले में की जा रही है।

ओडिशा में कोरोना के 61 नए मामले

भुवनेश्वर। ओडिशा में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 61 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1289129 हो गयी है। स्वास्थ्य अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 61 नए मामलों में से 36 मामले क्वारंटीन केन्द्र से और 25 मामले स्थानीय संपर्कों से प्राप्त हुए हैं, जिसमें से तीन मामले 18 से कम उम्र के लोगों के हैं। नए मामलों में से सबसे ज्यादा खोरधा से 36 मामले और कटक से सात मामले पाए गए। उन्होंने बताया कि बुधवार को कोरोना के 73 सक्रिय मामले सामने आए थे। राज्य में अब 391 सक्रिय मामले हैं। यहां अब तक 1279559 लोग कोरोना मुक्त हो चुके हैं और राहत की बात यह है कि इस अवधि में किसी मरीज की मौत नहीं हुई है इसलिए मौत का आंकड़ा 9126 पर बरकरार है।

सुप्रसिद्ध ओडिया फिल्म अभिनेता राय मोहन परिदा का निधन

भुवनेश्वर। सुप्रसिद्ध ओडिया फिल्म, टेलीविजन, थियेटर और यात्रा अभिनेता राय मोहन परिदा शुक्रवार को भुवनेश्वर में अपने आवास पर मृत पाये गए। वह 59 वर्ष के थे। प्राची विहार स्थित आवास में उनका शव फंदे से लटका मिला। आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता अभी नहीं चल पाया है। पुलिस को इस बारे में जानकारी मिलने बाद वह उनके शव को राजधानी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए ले गयी थी। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। रायमोहन की मौत की जानकारी मिलने के बाद उनके आवास के सामने और राजधानी अस्पताल में उनके चाहने वालों की भीड़ एकत्रित हो गयी है। रायमोहन का जन्म क्योंझर में 10 जुलाई 1963 को हुआ था। उन्होंने करंजिया कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद वर्ष 1985 में अभिनय की दुनिया में कदम रखा । उन्होंने सौ से अधिक ओडिया और बंगाली फिल्मों के साथ साथ लगभग 40 टीवी सीरियल मे अभिनय किया। अभिनेता ज्यादातर नकारात्मक भूमिका निभाते थे। उन्होंने ओडिया राज्य फिल्म पुरस्कार के साथ साथ कई पुरस्कार भी जीते हैं। बंधन, राम लक्ष्मण, असिबू केबे तू साजी मो रानी, उड़ंदी सीता, तु थिले मो दारा काहाकू, नेई जारे मेघा मोटे, तो बीना मो कयानी अधा, तो पेन नेबी मु साहु जानम फिल्म उनकी सुप्रसिद्ध फिल्म रही हैं। कई अभिनेता और राजनेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

आत्मदाह मामले में ओएचआरसी ने डीजीपी को जारी किया नोटिस

भुवनेश्वर। ओडिशा मानवाधिकार आयोग (ओएचआरसी) ने एक व्यक्ति के आत्मदाह मामले की जांच के लिए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को शुक्रवार को नोटिस जारी किया तथा मामले की सुनवाई की अगली तारीख 25 जुलाई को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। कटक जिले के किशन नगर थाना के सामने गुरुवार को इसानीब्रह्मपुर साई परुआ गांव के निवासी ने आत्मदाह कर लिया था। आयोग ने कहा कि उसे कटक के किशन नगर थाना के अंदर एक मुखबिर को प्रताड़ित किये जाने और पुलिस की निष्क्रियता के बारे में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों से जानकारी मिली। समाचार पत्रों में खबर है कि ईशानीब्रह्मपुर साई परुआ गांव निवासी गुणुनिधि बिसोई ने किशन नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधिकारी ने कोई कार्रवाई नहीं की तो उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और जब अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। आदेश में कहा गया है कि यह एक बहुत ही गंभीर मामला होने के कारण आयोग ने मामले का संज्ञान लिया और नोटिस जारी किया।

शिंदे ने एसएमएस के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रिमोट पॉइंट का किया ई-उद्घाटन

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एस एस शिंदे ने आज राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सवाई मानसिंह में स्थापित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रिमोट पोईण्ट का ई-उद्घाटन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति शिंदे ने राजस्थान उच्च न्यायालय बेंच जयपुर परिसर से यह उद्घाटन करने के अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड 19 महामारी के पश्चात से ही न्यायिक कार्य प्रणाली में भौतिक रूप से सुनवाई के साथ-साथ वर्चुअल सुनवाई के उपयोग के रूप में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य के लगभग सभी अधीनस्थ न्यायालयों में वीडियो कांफ्रेन्सिग हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराये जा चुके है और प्रत्येक जिला न्यायालय मुख्यालय पर वी सी रिमोट पॉइंट भी स्थापित किये जा चुके है। उन्होंने बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के संबंध में न्यायिक अधिकारियों एवं स्टाफ को आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। राजस्थान उच्च न्यायालय दवारा इस संबंध में राजस्थान उच्च न्यायालय रुल्स फॉर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग फॉर कोर्ट 2020 बनाये गए है जो दो अगस्त 2021 से प्रभावी हो चुके है। उन्होंने बताया कि एस एम एस हॉस्पिटल में नवउदघाटित रिमोट पॉइंट से न केवल राजकीय चिकित्सकों को न्यायालयों में बयान देने में सुविधा होगी बल्कि न्यायालयों के प्रकरणों के शीघ्र विचारण को भी गति मिलेगी। उन्होंने सभी जिला एवं सेशन न्यायाधीशगणों को मामले एवं गवाह की परिस्थितियों को देखते हुए वीसी रूल्स के तहत अधिक से अधिक गवाहों के बयान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से लिये जाने के निर्देश भी दिये।

राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित विधान सभा सचिवालय में समीक्षा बैठक

शिमला। राष्ट्रपति चुनाव के लिये हिमाचल प्रदेश में सभी तैयारियां चल रही हैं और आज विधानसभा सचिवालय में पूर्वाह्न 11.00 बजे मुख्य चुनाव अधिकारी मनीष गर्ग की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित तैयारियों पर गहन चर्चा की गई तथा विधान सभा सचिवालय में स्थापित किये जा रहे मतदान केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान केन्द्र की सुरक्षा तथा साज-सजावट के भी उचित दिशा निर्देश दिये गये। ज्ञातव्य है कि 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के लिए विधान सभा सचिवालय के पुस्तकालय कक्ष में स्थापित मतदान केन्द्र पर विधान सभा सदस्यों द्वारा मतदान किया जायेगा। इस बैठक में हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिव यशपाल शर्मा, जिलाधीश जिला शिमला, श्री आदित्य नेगी, पुलिस अधीक्षक जिला शिमला, श्रीमती मोनिका भटूंगरु, निदेशक सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग हरबंस ब्रेस्कॉन, अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी, श्री दलीप नेगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला शिमला, श्री सुशील कुमार शर्मा और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राहुल गांधी के वायनाड ऑफिस में तोड़फोड़, 'एसएफआई' पर हमले का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी के वायनाड ऑफिस में तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। वायनाड ने घटना की पुष्टि भी की है। वहीं, कांग्रेस ने राहुल गांधी वायनाड ऑफिस पर हुए हमले में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की भूमिका का आरोप लगाया है। राहुल गांधी के ऑफिस में रखी गईं कुर्सियों को भी तोड़ा गया है। ऑफिस में अटैक का वीडियो भी सामने आया है जिसे आप नीचे देख सकते हैं।

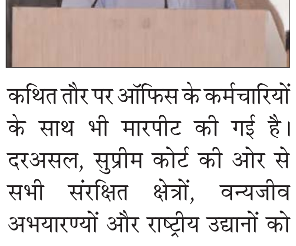

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कथित तौर पर ऑफिस के कर्मचारियों के साथ भी मारपीट की गई है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की ओर से सभी संरक्षित क्षेत्रों, वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों को लेकर जारी आदेश से नाराज भीड़ ने कहना है कि राहुल गांधी इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़े। सुप्रीम कोर्ट ने सभी संरक्षित क्षेत्रों, वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास एक किलोमीटर के पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र (ईएसजेड) को अनिवार्य करने का आदेश दिया है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने वायनाड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कार्यालय पर हमले की निंदा की। इसके साथ-साथ उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया। वहीं, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वायनाड कार्यालय में तोड़फोड़ की घटना पर कहा कि मुझे लगता है कि सीताराम येचुरी आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

केसी वेणुगोपाल ने आगे कहा कि यह घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई है। यह सीपीएम नेतृत्व की स्पष्ट रूप से साजिश है। पिछले 5 दिनों से ईडी उनसे पूछताछ कर रही है, मुझे लगता है कि सीताराम येचुरी आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

मनरेगा में श्रमिक की जगह जेसीबी से कराया जा रहा है काम : मेघवाल

भीलवाड़ा। राजस्थान के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं शाहपुरा विधायक कैलाश मेघवाल ने आरोप लगाते हुए कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) श्रमिकों के बजाय जेसीबी से काम कराया जा रहा है।

श्री मेघवाल ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी (दिशा) समिति की समीक्षा बैठक में आज यह बात कही। सांसद सुभाष चंद्र बहेड़िया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में श्री मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का शहरों में अपेक्षित परिणाम नहीं आ रहा। उन्होंने इसके लिए जिला कलेक्टर आशीष मोदी से अलग से बैठक बुलाकर प्रगति बढ़ाने को कहा।

श्री बहेड़िया ने ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की वर्ष 2022-23 की मई 2022 तक की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में जिले में 2021-22 में 20 हजार से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी विकास योजनाओं को अधिकाधिक लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कोटड़ी प्रधान करण सिंह ने कहा कि उनके क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र लोगों के नाम भी काट दिए गए।

राजस्थान आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम में अप्रैल से लगातार देश भर में अव्वल

जयपुर। राजस्थान आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत सर्वाधिक कार्यक्रम आयोजित कर पिछले तीन महीनों से लगातार देश में पहले स्थान पर बना हुआ हैं।

कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त शासन सचिव पंकज ओझा ने बताया कि आजादी का महोत्सव पोर्टल पर सर्वाधिक कार्यक्रम अपलोड कर अप्रैल से अब तक लगातार तीन महीने से देश में नंबर वन पर रहने का अनोखा कीर्तिमान कायम किया है। राजस्थान अब तक 6 हजार 653 कार्यक्रम अपलोड कर देश भर में अव्वल स्थान पर बना हुआ है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भावना के अनुरूप और कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री बी डी कल्ला एवं प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान, देश की आजादी के 75 वर्ष पूर्ण करने के अवसर पर आयोजित आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देश भर में संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, एवं इन्हें पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान ने आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत सर्वाधिक कार्यक्रम आयोजित कर आजादी के अमृत महोत्सव पोर्टल पर अपलोड किए हैं। राजस्थान के बाद 6 हजार 501 कार्यक्रम अपलोड कर हरियाणा दूसरे एवं 4 हजार 514 कार्यक्रम अपलोड कर गुजरात तीसरे स्थान पर है।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविन्द मोहन ने गत 12 अप्रैल को दिल्ली में यह घोषणा की थी कि राजस्थान इस मामले में पूरे देश में पहले स्थान पर है और तब से राजस्थान लगातार पहले स्थान पर चल रहा है।

घर में फंदे से लटकता मिला उड़िया एक्टर रायमोहन परीदा का शव, 100 से अधिक फिल्मों में काम किया था काम

भुवनेश्वर। उड़िया फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता एवं थियेटर कलाकार रायमोहन परीदा का शव भुवनेश्वर के प्राची विहार इलाके में स्थित उनके घर में शुक्रवार को फंदे से लटका हुआ मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। वह 58 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। परीदा के परिवार के सदस्यों ने शुक्रवार सुबह उनके कमरे में उनका शव फंदे से लटका हुआ पाया।

श्रद्धांजलि देने वालों का तांता

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रथमदृष्ट्या यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा। कई कलाकार परीदा को श्रद्धांजलि देने और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करने के लिये उनके घर पहुंचे। क्योंझर जिले के रहने वाले परीदा ने 100 से अधिक उड़िया और 15 बांग्ला फिल्मों में काम किया। वह रंगमंच के भी एक लोकप्रिय कलाकार थे।

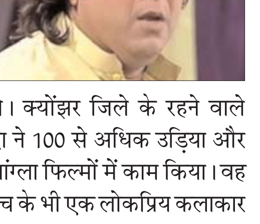

पड़ोसियों ने बताया अच्छा था व्यवहार

परीदा के पड़ोसियों ने बताया कि उनकी इस अभिनेता से गुरुवार को मुलाकात हुई थी। इस दौरान वह बिल्कुल ठीकठाक नजर आ रहे थे। पड़ोसियों के मुताबिक लोगों से उनका व्यवहार काफी अच्छा था। परीदा के साथ कई फिल्मों में काम करने वाले सिद्धांत महापात्रा ने कहाकि यह यकीन करना मुश्किल है कि उनके जैसा खुशमिजाज इंसान अब इस दुनिया में नहीं रहा।

उन्होंने कहाकि परीदा ने अपने जीवन में काफी उतार-चढ़ाव देखे थे। यकीन नहीं होता कि वह आत्महत्या जैसा कोई कदम उठा सकते हैं। सिद्धांत के मुताबिक परीदा अपने प्रोफेशन में काफी सफल थे।

कई फिल्मों में निभाई दमदार भूमिका

परीदा ऑलीवुड में अपने दमदार निगेटिव किरदारों के लिए जाने जाते थे। 2015 में कैंसर से जान गंवाने वाले हेरा पटनायक के बाद वह उड़िया फिल्मों के सबसे बड़े खलनायक माने जाते थे। एक अन्य अभिनेता श्रीतम दास ने कहा कि इस बात पर यकीन करना मुश्किल है कि जीरो से हीरो तक का सफर तय करने वाले परीदार आत्महत्या कर देंगे। रायमोहन परीदा को उनकी फिल्मों सिंहबाहिनी (1998), सुना भाउजा (1994) और मेंटल (2014) में दमदार अदाकारी के लिए जाना जाता है।

कोओंझर जिले के रहने वाले परीदा ने कई अन्य सुपरहिट फिल्मों में भी काम किया। इसमें राम लक्ष्मण, आसिबू केबे साजी मो रानी, नाग पंचमी, उदानदी सीता, तू थिले मो दारा जैसी फिल्मों में भी अपने अभिनव का जलवा बिखेरा था।

केजरीवाल सरकार के फैसले से व्यापारी और ट्रांसपोर्टर्स नाखुश

दिल्ली में भारी वाहनों पर रोक का किया विरोध

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में मध्यम और भारी माल वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने के दिल्ली सरकार के फैसले पर व्यापारियों और ट्रांसपोर्ट संगठनों ने नाखुशी जताई है। इनका कहना है कि सरकार के इस कदम से राजधानी में कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

दरअसल, 1 अक्टूबर से 28 फरवरी तक राजधानी दिल्ली में मध्यम और भारी माल वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का उद्देश्य वाहनों के प्रदूषण पर अंकुश लगाना था। हालांकि, कच्ची सब्जियां, फल, अनाज, दूध और आवश्यक वस्तुओं को ले जाने वाले वाहनों को शहर में प्रवेश करने की अनुमति होगी। एक अधिकारी के अनुसार, सर्दियों के महीनों में वाहनों के प्रदूषण से वायु की गुणवत्ता में गिरावट आती है।

ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने रोक को वापस लेने की मांग की और दिल्ली सरकार से प्रदूषण की समस्या को हल करने के लिए किसी और तरीके पर विचार करने को कहा।

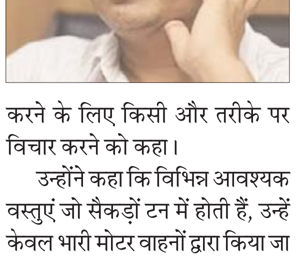

उन्होंने कहा कि विभिन्न आवश्यक वस्तुएं जो सैकड़ों टन में होती हैं, उन्हें केवल भारी मोटर वाहनों द्वारा किया जा सकता है, हल्के वाहनों द्वारा नहीं। भारी मशीनरी और निर्माण सामग्री भी विभिन्न राज्यों से लाई जाती है और यह हल्के मोटर वाहन द्वारा नहीं किया जा सकता है।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने इस मुद्दे पर भविष्य की कार्रवाई तय करने के लिए 29 जून को दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक संघों की एक बैठक बुलाई है।

अरविंद केजरीवाल सरकार के फैसले की निंदा करते हुए CAIT के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस कदम से दिल्ली में व्यापार काफी हद तक बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के व्यापारी पीड़ित हैं और मनमाने और अप्रिय आदेश का विरोध करेंगे। खंडेलवाल ने कहा कि विचाराधीन निर्णय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के व्यापार विरोधी रवैये को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली देश का सबसे बड़ा वितरण केंद्र है और दिल्ली सरकार का राजस्व काफी हद तक व्यापारिक गतिविधियों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि अगर यह आदेश लागू होता है तो माल की आवाजाही में बड़ी बाधा आएगी।

अग्निपथ के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा ने किया प्रदर्शन

हिसार। संयुक्त किसान मोर्चा ने आज अग्निपथ योजना के खिलाफ युवाओं के साथ मिलकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अग्निपथ योजना किसी भी सूरत में नहीं स्वीकार्य नहीं होगी इसलिए इसे रद्द कर पुरानी भर्ती प्रक्रिया लागू की जाए और सभी भर्तियों में अधिकतम आयुसीमा में तीन वर्ष की छूट दी जाए क्योंकि भर्तियां तीन साल से नहीं हो रहीं। प्रदर्शनकारियों ने अग्निपथ के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले युवाओं पर दर्ज मामले रद्द करने व गिरफ्तार युवाओं की रिहाई की भी मांग की।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बहाली का काम तेजी पर

जम्मू। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के 280 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन और पहाड़ों से गिरे पत्थर को हटाने का काम राज्य में 30 जून से शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर युद्ध स्तर पर चल रहा है।

अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था भगवती नगर के यात्री निवास से 29 जून को जम्मू के लिए रवाना होगा।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पंथ्याल के पास रामबन-बनिहाल मार्ग पर मंगलवार-बुधवार को भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और पत्थरबाजी के कारण बंद कर दिया गया था, जबकि उधमपुर जिले में समरोली के पास सड़क का एक हिस्सा बड़े आकार के पत्थर गिरने के कराण बह गया था।

एक अधिकारी ने कहा, मौसम में सुधार के कारण सड़क पर यातायात को बहाल करने के लिए राजमार्ग पर बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। राजमार्ग से भूस्खलन और पत्थरों को हटाने और यातायात को बहाल करने के कार्य में आदमी और मशीनरी दोनों 24 घंटे लगातार काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, रामबन के बनिहाल और उधमपुर जिले के राजमार्गों पर हल्के मोटर वाहन और ट्रक सहित अन्य सैकड़ों वाहन खड़े हैं।

अधिकारी ने कहा कि सड़क साफ हो जाने के बाद पहली प्राथमिकता फंसे हुए वाहन को निकालने की होगी । फिलहाल राजमार्ग पर फंसे हुए यात्रियों को खाना और जरूरी दवाई दी जा रही है।

आवश्यक वस्तुओं को कश्मीर ले जा रहे लगभग छह सौ ट्रक, जो पंथ्याल के पास राजमार्ग पर फंसे हुए थे, उन्हें निकाला जा चुका है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ करीब 1400 वाहन फंसे हुए हैं। गौरतलब है कि सिर्फ एक ही सड़क है, जो सभी मौसमों में कश्मीर को देश पूरे देश से जोड़ता है।

रामबन के उपायुक्त मसरत-उल-इस्लाम ने यूनीवार्ता को बताया कि रामबन और बनिहाल के बीच का मार्ग यातायात के लिए है।

उपायुक्त ने कहा, सड़क से कीचड़ और भूस्खलन को साफ कर यातायात को बहाल करने के लिए श्रमिक और मशीनरी को लगाया गया है।

जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार ने गुरुवार को जमीनी स्थिति का जायजा लिया और भूस्खलन से प्रभावित उधमपुर जिले का दौरा किया। उनके साथ उधमपुर के उपायुक्त कृतिका ज्योत्सना और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पिंदा गिरोह के 13 सदस्य गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में जालंधर ग्रामीण पुलिस ने पिन्दा गैंग से जुड़े फिरौती और हथियारों की तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश करते हुये सभी शार्प शूटर, पनाह देने और लॉजिस्टिक सहायता मुहैया कराने वाले छह सदस्यों सहित गिरोह के तेरह सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ जिला पुलिस अधीक्षक स्वप्न शर्मा ने शुक्रवार को सांझा की। गैंगस्टर विक्की गौंडर का करीबी साथी पलविन्दर सिंह उर्फ पिन्दा, जिसकी नाभा जेल ब्रेक में भी भूमिका सामने आई थी, को गैंग का सरगना बताया जाता है और वर्तमान में ग्रीस में रह रहे जालंधर के शाहकोट निवासी परमजीत उर्फ पम्मा की मदद से गैंग को संभाल रहा था।

गिरफ्तार किये गए तेरह शूटरों की पहचान सुनील मसीह उर्फ जीउना, रविन्द्र उर्फ रवि, प्रदीप सिंह, मनजिन्दर उर्फ शवि और सुखमन सिंह उर्फ सभ्भा, सभी निवासी लोहियाँ, जालंधर; सन्दीप उर्फ दिल्ली, मेजर सिंह, अपरेल सिंह उर्फ शेरा, बलविन्दर उर्फ गुड्डा और सलिन्दर सिंह; सभी वासी नकोदर, जालंधर; सतपाल उर्फ सत्ता निवासी मक्खू, फिरोज़पुर; दविन्दरपाल सिंह उर्फ दीपू और सतवंत सिंह उर्फ जग्गा निवासी शाहकोट, जालंधर के तौर पर हुई है।

ये सभी गिरफ्तार हिस्ट्री शीटर हैं और इन पर हत्या, इरादातन हत्या, जबरन वसूली और हथियारों की तस्करी समेत घृणित अपराधों से सम्बन्धित मामले दर्ज हैं।

छह अन्य को पनाह देने और लॉजिस्टिक सहायता मुहैया कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इनकी पहचान अमरजीत उर्फ अमर निवासी धर्मकोट, बलबीर मसीह, एरिक और बादल, तीनों ही निवासी लोहियाँ; हरविन्दर सिंह निवासी शाहकोट और बचित्तर सिंह निवासी कपूरथला के तौर पर हुई है।

पुलिस ने इनके कब्जे से सात .32 बोर पिस्तौल, तीन .315 बोर पिस्तौल, एक .315 बोर की बंदूक और एक .12 बोर की बंदूक समेत 9 हथियार बरामद किये हैं और टोयटा इनोवा और महिंदरा ऐकसयूवी 500 समेत दो वाहनों के अलावा आठ लाख रुपए की विदेशी करेंसी भी बरामद की है।

उन्होंने बताया कि यह गिरोह पिछले छह सालों से सक्रिय है और मध्य प्रदेश से संगठित जबरन वसूली, हथियारबंद हाईवे डकैती, भू-माफिया और हथियारों की तस्करी में शामिल है।

मतदाता पहचान पत्र लेकर जायें मतदान करने : सिंह

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए मतदाताओं की पहचान स्थापित करने के लिए दस्तावेजों की सूची जारी कर दी गयी है।

उन्होंने कहा है कि मतदाता पहचान-पत्र लेकर मतदान करने जायें, जिससे मतदान केन्द्र में कोई कठिनाई नहीं हो।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि वोटर स्लिप, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिया गया मतदाता पहचान-पत्र, आधार कार्ड, भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका, राशन कार्ड (सभी सफेद, नीला, पीला एवं गुलाबी), बैंक/किसान/डाकघर पासबुक, शस्त्र लाइसेंस, सम्पत्ति दस्तावेज़ जैसे पट्टा, रजिस्ट्रीकृत विलेख आदि, विकलांगता प्रमाण-पत्र, निराश्रित प्रमाण-पत्र, तेंदूपत्ता संग्राहक पहचान-पत्र, सहकारी समिति का अंश प्रमाण-पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेन्स, आयकर पहचान-पत्र (पीएनएन कार्ड), राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, स्थानीय निकाय या अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले सेवा पहचान पत्र, छात्र पहचान-पत्र, भूतपूर्व सैनिक पेंशन बुक आदि शामिल हैं।

सतत विकास लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है ओडिशा : नवीन

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को रोम में संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) मुख्यालय में कहा कि ओडिशा सतत विकास लक्ष्यों और समावेशी विकास की ओर लगातार बढ़ रहा है।

श्री पटनायक इस समय रोम की यात्रा पर हैं। उन्होंने डब्ल्यूएफपी मुख्यालय की यात्रा करने और ओडिशा की परिवर्तनकारी पहलों को साझा करते हुए अपने भाषण में कहा कि पिछले दो दशकों में ओडिशा खाद्य उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, आजीविका और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी दौर से गुजरा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने यहां बताया कि इस अवसर पर डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी निदेशक डेविड बेस्ली और डब्ल्यूएफपी के नेतृत्व वाली टीम भी मौजूद थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य पर्याप्तता प्राप्त करके, जलवायु, आजीविका, पोषण और साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार किए गए बड़े पैमाने पर विकास कार्यक्रमों की शुरुआत करके, राज्य सतत विकास लक्ष्यों तथा समावेशी विकास की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने जीरो हंगर के सामान्य एजेंडे को पूरा करने के लिए मौजूदा साझेदारियों और कार्यक्रमों पर भी बातचीत की, जिन पर भारत में ओडिशा सरकार और डब्ल्यूएफपी सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, डब्ल्यूएफपी और इसकी सहयोगी एजेंसियों के माध्यम से दुनिया भर में अपने अनुभव को साझा करना हमारे लिए खुशी की बात होगी। मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए डब्ल्यूएफपी के कार्यकारी निदेशक ने कहा, ओडिशा के मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए और भारत में डब्ल्यूएफपी के साथ साझेदारी में राज्य द्वारा किए जा रहे अभिनव कार्यों के बारे में बताते हुए हमें खुशी हो रही है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए समावेशी विकास और नए आर्थिक अवसरों का समर्थन करने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की एक श्रृंखला के साथ पूरे ओडिशा में आजीविका और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के हमारे संयुक्त लक्ष्य को क्रियान्वित किया जा रहा है। यह देखना है कि हमारा सहयोग जीरो हंगर और अन्य संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में ओडिशा प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने में कैसे सहयोग करता है। डब्ल्यूएफपी और ओडिशा सरकार ने चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए तथा 2021 में छह नई परियोजनाओं की शुरुआत की गयी है।

शार्ट न्यूज

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर झूठे आरोप लगाने वाले विपक्ष को माननीय कोर्ट ने आईना दिखा दिया : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि पिछले 20 सालों से कांग्रेस, वामपंथियों और अन्य विपक्षी दलों द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ चलाई जा रही झूठ की दुकान आज खत्म हो गई। गुजरात दंगों में झूठे सबूत के आधार पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर जो आरोप लगाया गया था, वह आज सबके सामने उजागर हो चुका है। माननीय उच्चतम न्यायालय ने आज पूरे विपक्ष को आईना दिखाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सत्य को ना ही कोई डरा सकता है और ना ही उसे कोई हरा सकता है। विपक्ष निचले स्तर की राजनीति करते हुए एसआईटी की टीम की जांच को झूठ कहा था जिसपर माननीय न्यायालय ने विपक्ष को फटकार लगाई है। आदेश गुप्ता ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी आज देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है। श्री नरेन्द्र मोदी पिछले आठ सालों से देश के पीएम रहते हुए भारत को एक नई दिशा दी है। उनके कुशल नेतृत्व में भारत लगातार विकास के मार्ग पर प्रगतिशील है। श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आठ सालों के कार्यकाल में देश के हर समाज के लिए कई योजनाएं दी और उन योजनाओं का लाभ भी सभी तक पहुंचाया, लेकिन विपक्ष की घटिया राजनीति सिर्फ आज ही नहीं बल्कि हर बार शर्मसार हुई है। उन्होंने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानसेवक के रूप में देश हित में दिन-रात काम कर रहे हैं जो कि विपक्षियों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है।

केजरीवाल सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा विधायक दल ने दिल्ली विधानसभा का तुरंत सत्र बुलाने की मांग की है। विधायक दल की बैठक में कहा गया कि केजरीवाल सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। भ्रष्टाचार के आरोप में मंत्री जेल में है और वह खुद अपनी याद्दाश्त कमजोर होने की बात स्वीकार कर चुका है। उसे अब तक मंत्रिपद से नहीं हटाया गया। दिल्ली में पीने के पानी का हाहाकार मचा हुआ है। सरकार से इन सभी मुद्दों पर जवाब के लिए तुरंत विधानसभा सत्र बुलाया जाए। भाजपा विधायक दल की बैठक नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वश्री मोहन सिंह बिष्ट, ओमप्रकाश शर्मा, जितेंद्र महाजन, अनिल वाजपेयी, अजय महावर और अभय वर्मा ने भी हिस्सा लिया। श्री विजेंद्र गुप्ता विदेश में होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके। विधायकों ने एक स्वर में केजरीवाल सरकार को भ्रष्टाचार को संरक्षण देने वाली सरकार कहा। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि कितनी हैरानी की बात है कि सरकार के एक मंत्री सत्येंद्र जैन पिछले करीब एक महीने से गिरफ्तार हैं लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उनके खिलाफ कोई भी कार्रवाई करना तो दूर, उन्हें मंत्रिमंडल से भी नहीं हटा रहे। वह मंत्री अपने आपको मेडिकली भी अनफिट घोषित कर चुका है क्योंकि ईडी से पूछताछ के दौरान उसने कहा है कि कोविड से पीड़ित होने के बाद वह अक्सर बातें भूल जाता है। ऐसे व्यक्ति को किसी संवैधानिक पद पर नहीं रखा जा सकता। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार के अनेक आरोप लग रहे हैं। दिल्ली में सात अस्थाई अस्पतालों के निर्माण को लेकर बड़ा घपला सामने आया है क्योंकि अस्पताल सिर्फ कागजों में ही चल रहे हैं। इस बारे में जब उपराज्यपाल ने एंटी करप्शन ब्यूरो को जांच की अनुमति दी तो दिल्ली सरकार तिलमिलाकर उपराज्यपाल पर ही नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाने लगी। बिधूड़ी ने स्पष्ट किया कि उपराज्यपाल ने किसी शिकायत पर अपनी तरफ से जांच का आदेश नहीं दिया है बल्कि एंटी करप्शन ब्यूरो को हर तरह की जांच के लिए उपराज्यपाल की मंजूरी लेनी जरूरी होती है। एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा मंजूरी मांगी गई और उपराज्यपाल ने वह फाइल क्लीयर की है जिस पर आम आदमी पार्टी सरकार बौखला उठी और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने उन पर अनेक आरोप लगा दिए। अगर अस्पतालों के निर्माण में कोई घोटाला नहीं हुआ है तो फिर सरकार में बेचैनी क्यों है। उसे तो इस जांच का स्वागत करना चाहिए था। बैठक में भाजपा विधायकों ने दिल्ली में पीने के पानी की कमी को खासतौर पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है लेकिन दिल्ली सरकार के पास इस समस्या को सुलझाने के लिए फुरसत ही नहीं है। वह सिर्फ हरियाणा पर झूठे आरोप लगाकर बैठ जाती है। विधायकों ने कहा कि इन मुद्दों पर हम सरकार को जवाब देना चाहिए, इसलिए विधानसभा का सत्र तुरंत बुलाने की जरूरत है।

थाना बीटा टु पुलिस ने ऑटो से नकदी/ज्वैलरी चोरी करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने ऑटो से नकदी/ज्वैलरी आदि सामान चोरी करने वाले अभियुक्त कृष्ण पुत्र रमेश चन्द निवासी सिंगल पुलिया भाटी का मकान चार मूर्ती के पास ग्रेटर नोएडा गौतमबुद्धनगर मूल निवासी गाँव महलकी थाना जानसठ जिला मुजफ्फरनगर को थाना क्षेत्र के एनआरआई कट परी चौक के पास से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी किये गये 90,000 रूपये नगद, एक मंगलसूत्र पीलीधातु, एक अंगूठी पीलीधातु, पाजेब सफेद धातु आदि सामान और घटना में प्रयुक्त ऑटो नंबर यूपी 14 एफटी 1702 बरामद किया है। अभियुक्त शातिर किस्म का चोर है जो ऑटो में सवारी बैठाकर उनका सामान चोरी कर भाग जाता है। 3 जून 2022 को एक महिला सवारी जो गाजियाबाद से परी चौक के लिए बैठी थी जिसके बैग में 90,000 रुपये नगद सहित उपरोक्त सामान था जिसको चोरी कर अभियुक्त कृष्ण मय ऑटो लेकर भाग गया था। जिसके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बादलपुर पुलिस ने दो लुटेरों को किया गिरफ्तार, कब्जे से अवैध असलहा सहित चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना बादलपुर पुलिस ने गुरुवार को दो चोर/लुटेरों दिनेश पुत्र बेगराज निवासी बिश्नौली थाना बादलपुर गौतमबुद्धनगर, विपिन पुत्र ओमप्रकाश निवासी ग्राम बिश्नौली थाना बादलपुर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के दुजाना पुलिया से गांव कल्दा की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने लूट हुए/चोरी के पाँच मोबाइल फोन, चोरी की एक मोटरसाइकिल स्प्लेण्डर प्रो बिना नम्बर प्लेट, एक चाकू और एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मार्निंग वॉक पर निकलने वाले लोगों से चेन छिनने वाले विक्की गैंग का वांछित सदस्य गिरफ्तार

नोयडा। थाना फेस टु पुलिस ने गुरुवार को चोरी की मोटरसाइकिल से सुबह मार्निंग वॉक पर निकलने वाले लोगों से चेन छिनने वाले विक्की गैंग के वांछित सदस्य राहुल शर्मा पुत्र रंजीत शर्मा निवासी हीरा कॉलोनी संगम स्वीट्स के पास सूरजपुर थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर मूल निवासी गाँव-हसनपुर जहाँगीरपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के सेक्टर-92 की रेडलाइट एनएसईजेड वाले रास्ते से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल अपाचे नंबर डीएल 13 एसएन 6406 और एक तमंचा मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है।

उपराज्यपाल दिल्ली ने कनॉट प्लेस में पुराने पेड़ों की अतिवृद्धि और मृत शाखाओं की वैज्ञानिक छंटाई के लिए अभियान शुरू किया

एनडीएमसी मिशन पीपल अभियान शुरू करेगी जिसके तहत लुटियंस दिल्ली की इमारतों से सभी अवांछित शाखाओं और पौधों को हटाना और काटना है - उपाध्यक्ष, एनडीएमसी

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। श्री विनय कुमार सक्सेना, माननीय उपराज्यपाल दिल्ली ने आज एक मुहिम के तहत कनॉट प्लेस क्षेत्रों की इमारतों से पुराने पेड़ों की पुरानी और मृत शाखाओं की वैज्ञानिक छंटाई पर एक अभियान का शुभारंभ, अध्यक्ष-नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) - श्री भूपिंदर सिंह भल्ला, उपाध्यक्ष - एनडीएमसी, श्री सतीश उपाध्याय, सचिव-एनडीएमसी - श्री विक्रम सिंह मलिक एवं उद्यान और अन्य विभाग के वरिष्ठ विभागाध्यक्षों की मौजूदगी में किया।

सक्सेना ने कहा कि एनडीएमसी ने यह पहल पिछले महीने आए तेज तूफान के मद्देनज़र की गई जिसमें नई दिल्ली क्षेत्र की हजारों शाखाएं और सैकड़ों पेड़ क्षतिग्रस्त हो गए थे। उन्होंने कहा कि अब यह पहल न केवल लुटियंस दिल्ली के सभी पेड़ों को आकार देने में मदद करेगी, बल्कि नई दिल्ली क्षेत्र की सुंदरता और मजबूती को भी बढ़ाएगी। उपाध्याय ने बताया कि एनडीएमसी मिशन पीपल पहल शुरू करेगी जिसके तहत हेरिटेज कनॉट प्लेस के बाहरी और भीतरी सर्कल से सभी अवांछित पेड़ों और अवांछित शाखाओं को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी और पर्यावरण के अनुकूल पहल होगी। इस उद्देश्य के लिए सबसे पहले एनडीएमसी इस प्रकार के क्षेत्रों और इमारतों का सर्वेक्षण करेगी और उसके बाद पुराने पेड़ों की अतिवृद्धि और मृत शाखाओं की वैज्ञानिक रूप से छंटाई करेगी। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी इस उद्देश्य के लिए मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन (एमटीए) के साथ भी सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल विशेष रूप से कनॉट प्लेस क्षेत्र के लिए है क्योंकि यहां रोजाना हजारों पर्यटक आते हैं। श्री उपाध्याय ने उद्यान विभाग को आधुनिक उपकरणों से अपग्रेड करने के आवश्यक निर्देश भी दिए।

उपाध्याय ने कहा कि भवनों में उगने वाले अधिकांश अवांछित पौधे पीपल हैं। उन्होंने कहा कि छतों और दीवारों पर उगने वाले पीपल के पेड़ (फिकस रिलिजियोसा) से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा तरीका ग्लाइफोसेट का उपयोग है। ग्लाइफोसेट गैर-चयनात्मक, प्रणालीगत जड़ी-बूटियों में सक्रिय घटक है और यह आमतौर पर परिदृश्य सेटिंग्स में मातम और खरपतवार की जड़ों को मारता है।

उन्होंने आगे कहा कि इमारतों के करीब तेजी से बढ़ने वाले पेड़ असमान निपटान का कारण बन सकते हैं जब सक्रिय पेड़ की जड़ें मिट्टी को सुखा देते हैं जिससे मिट्टी में अंतर होता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे पेड़ बढ़ते हैं और जड़ प्रणाली अधिक विस्तृत होती जाती है, वे एक बड़े क्षेत्र से अधिक नमी को अवशोषित करते हैं, और मिट्टी और सिकुड़ती है, इससे जमीन की गति होती है। इस जमीनी आंदोलन से अवतलन हो सकता है और अंततः, भवन की नींव को नुकसान हो सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रूनिंग एक स्वस्थ प्रक्रिया है जो किसी भी बीमारी, कवक और अन्य प्रकार के क्षय वाले किसी भी हिस्से को हटा सकती है, जिससे इसे स्वस्थ शाखाओं में फैलने से रोका जा सकता है। इन शाखाओं को हटाने से अन्य शाखाओं को भी अधिक धूप और वायु परिसंचरण में उजागर किया जा सकता है, जो रोग की घटनाओं को कम करने और फल उत्पादन को प्रोत्साहित करने में भी मदद करता है।

अग्निपथ आंदोलन के दमन का हर प्रयास विफल करेंगे; शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से जारी रहेगा संघर्ष : अनुपम

सेना भर्तियों को रद्द किए जाने से लाखों युवा मानसिक अवसाद में, सामने आ रहे हैं आत्महत्या के मामले : रजत यादव

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। युवा आंदोलन के राष्ट्रीय नेता अनुपम ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि अग्निपथ आंदोलन के अलोकतांत्रिक दमन का हर प्रयास विफल किया जाएगा।

सरकार चाहे जितने भी तिकड़म लगाए लेकिन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से संघर्ष जारी रहेगा।

अनुपम ने सवाल किया कि आंदोलन पर प्रतिक्रिया देने के लिए सरकार सेना की आड़ में क्यों छिप रही है। अपनी राजनीति के लिए अकसर सेना का इस्तेमाल करने वाली सरकार अब वर्दी की विश्वसनियता के सहारे अग्निपथ स्कीम को आगे बढ़ा रही है। स्पष्ट होता जा रहा है कि स्कीम का मक़सद सेना का इस्तेमाल पूंजीपतियों के लिए प्रशिक्षित गार्ड्स तैयार करना है। अनुपम ने बताया कि अग्निपथ स्कीम सिर्फ युवा विरोधी ही नहीं, सेना विरोधी भी है और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी उचित नहीं।

सरकार ने अग्निपथ योजना के नाम पर सेना की अटकी पड़ी भर्तियों को भी रद्द कर दिया है। युवा हल्ला बोल के राष्ट्रीय महासचिव रजत यादव ने कहा कि सेना भर्तियों को रद्द किए जाने से लाखों युवा भारी मानसिक अवसाद में हैं। इस कारण आत्महत्या के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बुधवार को युवा हल्ला बोल संस्थापक अनुपम हरियाणा के जींद जिले में जाकर ऐसे ही एक शोकाकुल परिवार से मिले और उनका दुख साझा किया। सचिन नामक इस होनहार छात्र ने सरकार की नीति से अवसाद में आकर आत्महत्या जैसा कदम उठा लिया। इस मौके पर सेना से रिटायर हो चुके सचिन के पिताजी सतपाल जी ने संदेश जारी किया कि कोई भी युवा इस तरह का कदम उठाने की बजाए बदलाव के लिए संघर्ष करे।

युवा हल्ला बोल के कार्यकारी अध्यक्ष गोविंद मिश्रा ने बताया कि आंदोलन को कुचलने के लिए सरकार हर तरह के तिकड़मों का इस्तेमाल कर रही है। मुकदमे किए जा रहे हैं, गिरफ्तारियां हो रही हैं, कोचिंग संस्थानों में जाकर छात्रों की डिटेल्स ली जा रही हैं, प्रदर्शन में शामिल होने या व्हाट्सएप स्टेटस तक करने से मना किया जा रहा, पूरा सर्वेलेन्स रखा जा रहा और सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर अग्निपथ स्कीम का प्रचार करवाया जा रहा।

ज्ञात हो कि दिल्ली पुलिस ने युवा हल्ला बोल अध्यक्ष अनुपम समेत कई नेताओं को गिरफ्तार करके तिहाड़ जेल भेज दिया था। युवा नेता रजत यादव ने बताया कि राजस्थान के सीकर में रहने वाले संदीप फौजी के घर आयकर विभाग का छापा पड़ा।

संदीप लगातार सेना अभ्यर्थियों की आवाज़ बुलंद कर रहे थे और युवा हल्ला बोल संस्थापक अनुपम के साथ वो भी तिहाड़ जेल गए थे।

मिठाई के लिए सास से झगड़े के बाद बहू ने 2 साल के बेटे संग खाया जहर, मासूम की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में एक महिला का मिठाई न देने पर अपनी सास से झगड़ा हो गया। गुस्से में आकर महिला ने अपने दो साल के बेटे को जहर देकर खुद भी जहर खा लिया। गंभीर हालत में महिला और उसके मासूम बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अस्पताल में इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया। हालांकि, महिला की स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सुपरटेक ईको विलेज वन सोसाइटी में जोगिंदर सिंह माली का काम करता है। जोगिंदर सोसाइटी में बने सर्वेंट क्वार्टर में परिवार के साथ रहता है। पुलिस ने बताया कि 21 जून को जोगिंदर के घर में कहीं से मिठाई आई थी। मिठाई बांटने को लेकर जोगिंदर की पत्नी पूनम और उसकी मां के बीच झगड़ा हो गया। इसी बात को लेकर गुस्से में आकर पूनम ने अपने दो साल के बेटे शिवम को जहर देकर खुद भी जहर खा लिया। गंभीर हालत में महिला और उसके बच्चे को नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां गुरुवार देर रात अस्पताल में शिवम की इलाज के दौरान मौत हो गई। बिसरख कोतवाली प्रभारी उमेश बहादुर सिंह ने बताया कि पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। महिला की स्थिति खतरे से बाहर है और उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। महिला फिलहाल बुलंदशहर के जहांगीराबाद स्थित अपने मायके में है। परिजनों की तरफ से इस संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

कटहल खराब निकलने पर सब्जी विक्रेता की बेरहमी से हत्या, तमाशबीन बने रहे लोग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र के मोरटा गांव में कथित तौर पर कटहल खराब निकलने पर युवक ने ठेली पर लगी एलईडी लाइट के स्टैंड से सब्जी विक्रेता के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल सब्जी विक्रेता को परिजन आनन-फानन में अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मूलरूप से हरदोई निवासी 38 वर्षीय अनिल कुमार करीब 20 साल से मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र के गांव मोरटा में रह रहा था। वह गांव में सब्जी की ठेली लगाकर परिवार की गुजर-बसर करता था। गुरुवार को भी अनिल ने सब्जी की ठेली लगाई हुई थी। देर रात गांव का ही संदीप त्यागी अनिल के पास सब्जी खरीदने आया। वह कटहल खरीदकर घर चला गया, उसने घर जाकर देखा तो कटहल खराब निकला। इससे तैश में आकर संदीप दोबारा ठेली पर पहुंचा और अनिल पर खराब सब्जी देने का आरोप लगाया। अनिल ने उसके आरोप को गलत बताया और कटहल वापस लेकर पैसे लौटाने की बात कही। आरोप है कि इसके बावजूद संदीप का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उसने ठेली पर रोशनी के लिए लगी एलईडी लाइट का स्टैंड उठाया और अनिल के सिर पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। परिजनों का आरोप है कि संदीप त्यागी अनिल के सिर पर एलईडी के स्टैंड से तब तक हमला करता रहा, जब तक वह बेहोश होकर जमीन पर नहीं गिर गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और अनिल को कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने के चलते आईसीयू वार्ड में शिफ्ट किया गया। परिजनों की सूचना पर पुलिस अस्पताल में पहुंची और परिजनों से घटना की जानकारी ली। परिजनों के मुताबिक, सब्जी विक्रेता अनिल कुमार पैरालाइज्ड थे। घटना के बाद उनकी हालत शुरू से ही नाजुक बनी हुई थी। अस्पताल में नौ घंटे तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद अनिल ने शुक्रवार सुबह दम तोड़ दिया। घटना के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया।

दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को समन जारी कर दिल्ली मेट्रो में एक लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तारी का ब्योरा मांगा

आयोग ने सीआईएसएफ को नोटिस जारी कर मामले में सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग ने दिल्ली मेट्रो में एक लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में दिल्ली पुलिस को समन जारी किया है। आयोग ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया था जब लड़की ने ट्विटर पर अपनी आपबीती बताते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट डाला था। इस पोस्ट में लड़की ने कहा कि एक व्यक्ति ने दिल्ली मेट्रो के जोर बाग स्टेशन पर उसका यौन उत्पीड़न करने की कोशिश की।

उसने कहा कि 02.06.2022 को दोपहर 02.00 बजे वह दिल्ली मेट्रो ट्रेन में येलो लाइन पर यात्रा कर रही थी, तभी एक अजनबी उसके पास आया और उसने एक पता ढूंढने में लड़की की मदद मांगी। उसकी मदद करने के बाद वह ट्रेन से उतर गई और टैक्सी बुक करने के लिए प्लेटफॉर्म पर बैठ गई। तभी आरोपी फिर से उसके पास आया और पते के बारे में और पूछने लगा। इस बार जब उसने उसकी मदद करने की कोशिश की, तो आरोपी ने अपने गुप्तांग को उसके चेहरे पर लगाने की कोशिश की। लड़की वहां से भाग गई और प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक पुलिसकर्मी के पास पहुंची। लड़की ने कहा कि पुलिस वाले ने उसकी मदद करने से इनकार कर दिया और उसे सीढ़ी से ऊपर जाने के लिए कहा। इसके बाद वह एक अन्य पुलिस वाले के पास गई और उससे आरोपी की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज दिखाने का अनुरोध किया। लड़की को सीसीटीवी फुटेज दिखाया गया 7 लड़की ने उस आरोपी की पहचान की जो एक अन्य मेट्रो ट्रेन में सवार होकर चला गया। लड़की ने आरोप लगाया कि जब उसने पुलिस कर्मियों से इस मामले में कार्रवाई करने के लिए कहा, तो उन्होंने उस पर तुरंत ही कोई बखेड़ा न खड़ा करने के लिए जिम्मेदार बताया और कहा कि वे इसमें कुछ नहीं कर सकते क्योंकि आरोपी चला गया था!

आयोग ने 03.06.2022 को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी थी। दिल्ली पुलिस ने आयोग को बताया है कि आईएनए मेट्रो थाने में आईपीसी की धारा 354, 354ए/354D के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। हालांकि, अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी की स्थिति

की जानकारी आयोग को नहीं दी गई है। इस संबंध में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मेट्रो पुलिस उपायुक्त को समन जारी कर मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी मांगी है।

इसके अलावा आयोग ने कथित तौर पर लड़की की मदद नहीं करने के लिए पुलिस कर्मियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी भी दिल्ली पुलिस से मांगी थी। दिल्ली पुलिस ने आयोग को बताया कि दिल्ली मेट्रो में तैनात सुरक्षाकर्मी सीआईएसएफ के हैं। इस संबंध में आयोग की अध्यक्ष ने सीआईएसएफ को नोटिस जारी कर सुरक्षाकर्मियों पर की गयी कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। आयोग ने सीआईएसएफ से दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने वाली महिलाओं और बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न की घटना के मामले में सीआईएसएफ द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी भी देने को कहा है।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, यह घटना बहुत ही चौंकाने वाली और दुर्भाग्यपूर्ण थी। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी का ब्योरा नहीं दिया है। मैं दिल्ली पुलिस को समन जारी कर रहा हूं और हमने आरोपी की गिरफ्तारी की जानकारी मांगी है। हम सीआईएसएफ को कथित तौर पर लड़की की मदद करने से इंकार करने वाले सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए नोटिस भी जारी कर रहे हैं।

केजरीवाल को पूर्व भारतीय खिलाड़ियों और कोचों पर भरोसा नही: चौ0 अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल भविष्य के लिए घोषणाऐं करके दिल्लीवासियों के लिए बनी योजनाओं को पीछे छोड़ दिन प्रतिदिन दिल्लीवासियों को गुमराह करके लगातार झूठ बोल रहे है, खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतू मिशन एक्सीलेंस स्कीम केजरीवाल की अगली गुमराह करने वाली योजना है। क्या केजरीवाल सरकार के पास भविष्य में खिलाड़ियों को निष्पक्षता के साथ आगे बढ़ने के लिए कोई योजना है? जबकि उन्हांने यह कहकर खिलाड़ियों का अपमान किया है कि 130 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में सिर्फ चंद मेडल ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिल पाते है।

चौ0 अनिल कुमार ने मिशन एक्सीलेंस स्कीम के तहत केजरीवाल द्वारा सिर्फ 60 खिलाड़ियों को आवेदन के बाद आर्थिक मदद के लिए 9.5 करोड़ रुपये के चेक बांटने पर कहा कि केजरीवाल का यह दावा कि किसी भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी को तैयारी के लिए भविष्य में अब आर्थिक संकट नही होने देंगे। क्या केजरीवाल सरकार द्वारा खिलाड़ियों को दी गई आर्थिक मदद से एक खिलाड़ी अंतराष्ट्रीय स्तर की तैयारी कर सकता है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार को कमेटी द्वारा चयनित खिलाड़ियों की आर्थिक मदद करने की बजाय उन्हें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने की पूरी जिम्मेदारी उठानी चाहिए। चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सिर्फ सपने दिखाने का काम करते है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सरकार का दावा कि उन्होंने खेल समर्पित छात्रों के लिए दिल्ली स्पोर्टस यूनिवर्सिटी बनाई है, जिसमें खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ स्नातक स्तर की पढ़ाई भी विशेष खेल के साथ कराई जाएगी। क्या केजरीवाल सरकार ने फीजिकल एजुकेशन से स्नातक छात्रों को पिछले 8 वर्षों में दिल्ली सरकार के स्कूलों में नौकरी देने के लिए कोई विशेष योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली स्पोर्टस यूनिवर्सिटी का यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट लंदन के साथ एग्रीमेंट करना केजरीवाल सरकार की नाकामयबी उजागर होती है कि उन्हें अपनी प्रशासनिक व्यवस्था के साथ-साथ पूर्व भारतीय खिलाड़ियों और कोचों पर भरोसा नही हैं।चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल ने अपने बयान में खिलाड़ियां की कामयाबी में तीन कमियों गरीबी, सुविधाओं की कमी और राजनीतिक दवाब को गिनाया है। पिछले 8 वर्षों में लाखां गरीब छात्रों अपना रिजल्ट सुधारने के नाम पर स्कूल से निकाल दिया है। उन्हांने कहा कि केजरीवाल ने मुस्कुराते हुए रेड लाईट पर भीख मांगने वाले जिमनास्ट करते बच्चों का उदाहरण देते हुए कहा कि इनमें जितना हुनर है, इन बच्चों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिमनास्ट के लिए भेजना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या केजरीवाल सरकार के पास रेड लाईट पर नाचते इन बच्चों के भविष्य के लिए कोई योजना है? क्यों नही दिल्ली सरकार रेड लाईट पर बसे इन लोगों को समाज कल्याण के रैन बसैरों में भेजने की योजना बनाते? चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के युवाओं को रोजगार देने का वायदा के बाद उन्हें अनुबंध पर नौकरी देकर केजरीवाल सरकार पहले ही गुमराह करने का काम कर रही है और दिल्ली स्पोर्टस यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्रों को भी खेल में स्नातक की डिग्री देने की बात करके उन्हें सपने दिखा रहे है। प्रदेश अध्यक्ष पूछा क्या दिल्ली सरकार के पास भविष्य में इन खिलाड़ी स्नातकों के लिए रोजगार की कोई योजना है?

केजरीवाल सरकार दिल्ली के पर्यावरण के प्रति सजग, सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए 3 दिवसीय मेले का होगा आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में समर एक्शन प्लान को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस बैठक में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी डीएसआईआईडीसी, एमसीडी, शिक्षा विभाग, दिल्ली पुलिस, डीटीसी, आई एंड एफसी, पीडब्लूडी, डीसीबी आदि विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

बैठक के दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समर एक्शन प्लान के 14 बिन्दुओ पर चर्चा की। बैठक के बाद सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए 3 दिवसीय मेला 1 जुलाई से 3 जुलाई के बीच त्यागराज स्टेडियम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया की दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण के खिलाफ़ सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदूषण को बढ़ावा देने में सिंगल यूज़ प्लास्टिक भी एक एहम भूमिका निभाता रहा हैं। ऐसे में सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग को रोकने के लिए जागरुकता अभियान जरूरी है।

इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया हैं कि 1 जुलाई से लेकर 3 जुलाई तक त्यागराज स्टेडियम में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए 3 दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा।

इस मेले में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्पों से सम्बन्धी उत्पाद बनाने वाली कंपनियों, स्टार्ट अप्स और संस्थाए भाग लेंगी और अपने उत्पादकों को एक मंच से लोगो के बीच साझा कर पाएंगे।

इस मेले में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्प जैसे मिट्टी के बर्तन, कपड़े, पेपर और जूट से बने बैग्स, बायो डिग्रेडेबल चीज़ो से बनी क्राकरी को प्रदर्शित किया जाएगा।

साथ ही रीसाइकल्ड प्लास्टिक से बनी चीज़े जैसे ट्रेज, फूलदान, स्टैंड, फोटो फ्रेम्स आदि, कंपोस्टेबल उत्पाद, कंपोस्टेबल खाद्य पैकेजिंग सामग्री, घरेलू सजावट का सामान भी इस प्रदर्शनी में शामिल रहेंगे।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्पों पर कार्य कर रहे उत्पादक पंजीकरण कराने के लिए पर्यावरण विभाग की वेबसाइट www.environment.delhigovt.nic.in पर लॉग इन कर सकते है।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा की सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अन्य विकल्प का उत्पादन करने वाले स्टार्ट-अप्स/उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकार के साथ अपना हाथ मिलाएं और नागरिकों को दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के लिए एसयूपीएस के विकल्पों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हर समय मौजूद रहता है।

आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए लगातार काम किए हैं। उन तमाम उपायों के परिणाम स्वरूप दिल्ली के अंदर प्रदूषण के स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही।

संपादकीय

सामान्य नहीं यह हिंसा

अग्निपथ के विरोध में हुई हिंसा और आगजनी ने पूरे देश को चौंकाया है। आप किसी भी दृष्टिकोण से अग्निवीर को देख लीजिए विरोध के नाम पर ऐसी हिंसा और अराजकता का कोई कारण नजर नहीं आएगा। कुछ समय के लिए अग्निवीर के तथ्यों को अलग रख दीजिए। जरा सोचिए, इसमें ऐसा क्या है जिसके सामने आते ही विरोध के नाम पर भीषण आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा होने लगे? 1990 में तत्कालीन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जब पिछड़ों के लिए आरक्षण की योजना केंद्र की सेवाओं में भी लागू की तो इस तरह का विरोध हुआ था। उसमें गैर दलित व गैर पिछले पिछड़ी जातियों के छात्रों को लगा था कि आरक्षण से उनके लिए नौकरियों के अवसर कितना जाएंगे। इस कारण विरोध में व्यापक हिंसक हुआ और छात्रों द्वारा आत्मदाह करने तक की घटनाएं हुई। अग्निवीर योजना में किसी का कुछ जाना नहीं है। यह योजना अनिवार्य नहीं है। जिसे पसंद होगा वह योजना में आवेदन करेगा और जाएगा जिसे नहीं पसंद होगा नहीं जाएगा। विरोधियों ने देश और दुनिया में ऐसे प्रस्तुत कर दिया है मानो हजारों-लाखों लोग सेना में भर्ती होने वाले थे जिनको इस योजना से वंचित कर दिया गया है। यही नहीं भविष्य के लिए उनके रास्ते अवरुद्ध कर दिए गए हैं तथा केवल 4 वर्ष की अवधि के लिए निश्चित वेतनमान पर सेवा लेकर उन्हें जीवनभर के लिए निराश्रित और बेरोजगार छोड़ दिया जाएगा। यानी कुल मिलाकर नरेंद्र मोदी सरकार की छवि ऐसी बनाई गई है कि यह रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं और छात्रों की दुश्मन है। उन्हें सेना जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र के रोजगार से वंचित रखना चाहती है। ध्यान रखने की बात है कि जिस दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस योजना की घोषणा की उसके कुछ ही देर बाद से इसका विरोध आरंभ हो गया जो धीरे-धीरे भारी हिंसा आगजनी तोड़फोड़ से बढ़ता चला गया। क्यों? अग्निवीर योजना की पूरी जानकारी इतनी जल्दी विरोध करने वालों के पास कैसे पहुंच गई? यद्यपि हिंसा कई राज्यों में हुए लेकिन सबसे ज्यादा शिकार बिहार हुआ है। तो यह प्रश्न भी उठेगा कि आखिर बिहार में सबसे ज्यादा हिंसा क्यों? अगर सेना में भर्ती से वंचित होने का ही सवाल है तो हिंसा देखकर निष्कर्ष यही निकलेगा कि बिहार से भारी संख्या में नौजवान हर वर्ष भर्ती होते हैं। सच यह है कि प्रतिवर्ष बिहार से सेना में जाने वाले युवाओं की संख्या औसत ढाई हजार है। उत्तर प्रदेश की भी औसत संख्या 6500 है। इतनी कम संख्या में जहां लोग सेना में जाते हो वहां इतनी बड़ी हिंसा अग्निवीर के कारण तो नहीं हो सकती। बिहार से ज्यादा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लोग सेना में जाते हैं। जाहिर है, ऐसी हिंसा का मूल कारण कुछ और है। यह नहीं कह सकते कि इस आंदोलन में छात्र और नौजवान नहीं है लेकिन आंदोलन केवल उनका नहीं है इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता। हिंसा के आ रहे विजुअल की थोड़ी गहराई से समीक्षा करेंगे तो साफ दिख जाएगा कि अनेक जगह आग लगाने वाले बिल्कुल पारंगत है। जिस तरह रेलवे की बोगी में पेट्रोल डालकर आग लगाया जा रहा है इससे पता चलता है कि इसका ज्ञान उनको है। सामान्य आंदोलनों की आगजनी में थोड़ा जला, थोड़ा रह गया, कहीं आग लगा फिर बुझ गया। इस आंदोलन में ज्यादातर जगहों की आगजनी में संपत्तियां पूरी तरह खाक हो गई। एक विजुअल में साफ दिखा कि बिहार के तारेगाना रेलवे स्टेशन में स्टेशन मास्टर का केबिन व्यवस्थित तरीके से जल रहा है। तारेगना रेलवे स्टेशन में पुलिस के साथ मोर्चाबंदी में प्रदर्शनकारियों की ओर से गोलियां चलीं। गोलियां चलाने वाले क्या सामान छात्र और नौजवान थे? ये तो कुछ उदाहरण हैं। आप देखेंगे कि चेहरे पर कपड़ा बांधे हुए हाथों में लाठी, डंडे, पेट्रोल के कनस्तर लिए ऐसे लोगों की बड़ी संख्या इस हिंसा में चारों तरफ नजर आ रही है। बिहार में 8 बजे रात से सुबह 4 बजे तक ट्रेनों का चालन निश्चित किया गया क्योंकि पुलिस का ने बताया 5 बजे सुबह से पत्थरबाजी शुरू हो जाती है। इतने पत्थरबाज कहां से आ गए? कश्मीर से निकलकर पत्थरबाजी उत्तर प्रदेश से बिहार और झारखंड तक पहुंची है। ऐसे अनेक डरावने तथ्य हैं जिनके आधार पर आप मोटा-मोटी अनुमान लगा सकते हैं कि विरोध और आंदोलन के नाम पर कैसी शक्तियां इसके पीछे हैं। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस सभी कम्युनिस्ट पार्टियों ने आंदोलन और दूसरे दिन आयोजित बंद का समर्थन किया था।

आपातकाल : बड़ा सबक दे गया था वह काला दौर

डॉ घनश्याम बादल

भारत को दुनिया में लोकतंत्र का सबसे बड़ा रहनुमा एवं पैरोकार देश माना जाता रहा है जम्हूरियत इसके संस्कारों एवं खून में है। न केवल आज़ादी के बाद अपितु पहले के इतिहास में भी भारत में लोकतंत्र की जड़ें आसानी से ढूंढी जा सकती हैं। मगर आज़ादी के बाद एक छोटा सा कालखंड ऐसा भी आया जब लोकतंत्र का गला पूरी तरह दबाया गया था और राष्ट्रीय एकता तथा अनुशासन के नाम पर लोकतंत्र को परोक्षरूप में निलंबित करते हुए इंदिरा गांधी ने 26 जून 1975 को देशभर में आपातकाल लागू कर दिया था जिसे 1977 में चुनावों में करारी हार के बाद जाते जाते उन्हें खुद ही हटाना भी पढ़ा था और देश से आपातकाल लगाने के लिए माफी भी मांगनी पड़ी थी।

यंत्रणाओं का काला दौर

1977 के बाद पैदा हुई पीढ़ी शायद इस बात को न समझे कि लोकतंत्र की अहमियत क्या होती है, या फिर दमन का दर्द कैसा होता है क्योंकि इस पीढ़ी का सौभाग्य है कि उसने भारत में वो भयावह मंजर नहीं देखा जो आजादी से पहले की पीढ़ी ने झेला और बाद में बहुत छोटे से कालक्रम में आपातकाल के काले दौर में जनता व जननायकों ने झेला था। शायद ही कुछ को याद हो कि 26 जून 1975 को इस देश में पहली व अंतिम बार आपात्काल लगाया गया था। जिसे उस समय के सत्ता के पैरोकारों ने अनुशासनपर्व का नाम देकर आम जनता को बरगलाने की कोशिश की पर आपातकाल के काले दौर में मुंह पर टेप चिपका कर बैठी जनता ने मौका मिलते ही 1977 में अपने जनादेश में बहुत स्पष्ट रुप में बता दिया कि यहां तानाशाही के लिए कोई जगह नहीं है।

क्या थे हालात ?

आज 26 जून को 47साल बाद एक बार फिर से विवेचन करें कि आखिर क्यों व किन हालातों में लगी थी भारत में इमर्जेन्सी। 1974 में महंगाई का ज्वार फूट पड़ा था। चारों ओर विपक्ष का हल्ला नजर आ रहा था। यह वह दौर था जब अव्यवस्था, अनुशासनहीनता, घपलों व घोटालों का जबरदस्त शोर था। शासन तंत्र ''फेल्योर'' के कगार पर पंहुच गया था।

दमित विपक्ष और जे पी का उद्भव

पूरी तरह कुचला हुआ विपक्ष या तो जेलों में बंद था या फिर मृतप्राय हो गया था मगर उसी समय बिहार से जयप्रकाशनारयण के रूप में एक मज़बूती से खड़ा रहने वाला नेता मिला और इंदिरा गांधी का जबरदस्त विरोध करते हुए उन्होंने तत्कालीन छात्र शक्ति का बड़ी ही कुशलता पूर्वक उपयोग किया उन्होंने मौलिक अधिकारों के हनन एवं उससे उत्पन्न आक्रोश का बड़ी ही राजनीतिक चतुराई के साथ उपयोग किया और सबसे बड़ी बात यह हुई थी कि हमेशा से बिखरे रहने वाले विपक्ष ने उनके नेतृत्व को न केवल स्वीकार किया वरन् उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर मजबूती से खड़ा भी हुआ। और इस जन आंदोलन का प्रभाव यह हुआ की हमेशा विपक्ष को डरा धमका कर चुप कर देने वाली इंदिरा गांधी चाह कर भी कुछ नहीं कर पाई तथा विपक्ष का यह आंदोलन चोर पकड़ा गया बड़े-बड़े नेता जेलों में रहे मगर दूसरी पंक्ति की नेतृत्व में ने हार मानी न झुकना स्वीकार किया और परिणाम यह निकला कि 1977 के आम चुनावों में हमेशा बिखरे बिखरे रहने वाला विपक्ष जनता पार्टी के रूप में एक मंच पर आकर खड़ा हो गया और इस बेमेल संगठन ने लोहा महिला कहे जाने वाली इंदिरा और उसकी पार्टी इंदिरा कांग्रेस को बुरी तरह परास्त कर सकता से बाहर कर दिया।

.. और अब पूर्वोत्तर में बाढ़ से तबाही !

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से अब तक करीब 150 लोगों की जान जाचुकीहै।असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ से जमकर तबाही मच रही है.यहां सरकारीरिकॉर्डमें131 लोगों कीमौजूदाबाढ़मेंजान गईहैवहीं लाखों की संख्या में लोगों ने बचाव शिविरों में पनाह ले रखी है। असम में 24 घंटों के दौरान 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि 7 लापता हुए हैं. इस बात की जानकारी राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने दी है। समाचार रिपोर्ट्स के मुताबिक अथॉरिटी ने बताया कि इस समय 2,31,819 लोग राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं. केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को पूरी मदद का आश्वासन दिया है। एक केंद्रीय टीम को नुकसान का आकलन करने के लिए असम और मेघालय के बाढ़ प्रभावित इलाकों में भेजा जाएगा।

उधर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और कोनराड संगमा से बात करने के बाद उन्होंने कहा कि केंद्र क्षेत्र के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा हैसंकटकेसमयमेकेंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि नरेंद्र मोदी सरकार जरूरत की इस घड़ी में दोनों राज्यों के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने ट्वीट किया था भारी बारिश और बाढ़ के मद्देनजर दोनों राज्यों के कुछ हिस्सों में स्थिति पर चर्चा करने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा से बात की। मोदी सरकार इस जरूरत की घड़ी में असम और मेघालय के लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है. असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि राज्य में सोमवार को 11 मौत दर्ज की गई हैं, इनमें से आठ मौत बाढ़ प्रभावित 32 जिलों में हुई हैं।पांच अन्य जिलों में दो बच्चों समेत लोग लापता हैं।

इन राज्यों में इस साल औसत से अधिक बारिश हुई है। भारत में घटित होने वाली सभी प्राकृतिक आपदाओं में सबसे अधिक जन धन की क्षति बाढ़ कीवजहसेहोतीहैं। यद्यपि इसका मुख्य कारण भारतीय मानसून की अनिश्चितता तथा वर्षा ऋतु के चार महीनों में भारी जलप्रवाह है, परंतु भारत की असम्मित भू-आकृतिक विशेषताएँ विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ की प्रकृति तथा तीव्रता के निर्धारण में अहम भूमिका निभाती हैं। बाढ़ के कारण समाज का सबसे गरीब तबका प्रभावित होता है। बाढ़ जान-माल की क्षति के साथ-साथ प्रकृति को भी हानि पहुँचती है।दरअसल बाढ़ का पानी अपने साथ पहाड़ों से उपजाऊ गाद (मिट्टी) मैदानों की तरफ लाता है। यह गाद काफी उपजाऊ होती है। बाढ़ के पानी के साथ बहकर आने से मैदानी इलाकों में इस उपजाऊ मिट्टी की एक परत बन जाती है। जिससे खेतों में मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और फसल काफी अच्छी होती है।इसके साथ ही रेत-पत्थर, अवसाद आदि जमा होने से संकरी हो चुकी नदी के चैनलों को बाढ़ साफ कर देती है, जिससे नदी का फैलाव होने से नदी फिर से अपने पुराने स्वरूप में आ जाती है। बाढ़ से भू-जल संभरण भी होता है।असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और गुजरात के तटीय क्षेत्र तथा पंजाब, राजस्थान, उत्तर गुजरात एवं हरियाणा में बार-बार बाढ़ आने और कृषि भूमि तथा मानव बस्तियों के डूबने से देश की अर्थव्यवस्था तथा समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है।बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में कई तरह की बीमारियाँहैजा, आंत्रशोथ हेपेटाईटिस वअन्य दूषित जलजनित बीमारियाँ फैल जाती हैं। वर्तमान में पूरे देश मेंकोविड महामारी का प्रसार है, बाढ़ की स्थिति इसे और अधिक खतरनाक बना सकती है।

एएसडीएमए के अनुसार कि इस साल मई और जून में होने वाली बारिश बीते कुछ सालों के मुकाबले औसत से अधिक है. भारतीय मौसम विभागने 16 जून को कहा था कि मेघालय में बीते एक हफ्ते में सामान्य ढसे 172 फीसदी अधिक बारिश हुई है. असम में 100 फीसदी अधिक बारिश हुई है और अरुणाचल प्रदेश में सामान्य से 28 फीसदी अधिक. असम के 36 में से 34 जिलों में 47,72,140 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए के रिकॉर्डके अनुसार 11 और लोगों की मौत हो जाने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है।

डरांग में तीन, नगांव में दो, कच्छार, डिब्रूगढ़, हैलकांडी, होजाई, कामरूप और लखीमपुर में एक एक व्यक्ति की जान चली गई है।उदालगुरी एवं कामरूप में दो-दो तथा कच्छार, डरांग एवं लखीपुर में एक एक व्यक्ति लापता बताया जा रहा है।

बहरहाल यह पहला मौका नहीं है जब भारत केकई प्रदेशों में बाढ़ तबाही मचा रही है देश में अधिकांश हिस्सों में आए दिन बाढ़ सूखा प्राकृतिक आपदाएं अपना रूप दिखाते रहते हैं इसके लिए कहना नहीं होगा कि सरकारों ने समय रहते आपदा से निबटने के लिए प्रभावशाली योजनाएं नहीं बनाई हालांकि पिछले एक दशक में इस ओर काफी काम हुआ है एक ओर आपदा प्रबंधन विभाग को मजबूत किया गया है अब बाढ़ सूखा भूकंप या अन्य किसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में एनडीआरएफ की टीमें उनके बचाव दल प्रभावित लोगों को बचाने के लिए मौके पर पहुंच जाते हैं वही अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने नदी जोड़ो योजना की शुरुआत करके भी बाढ़ की समस्या को रोकने के लिए काफी महत्वपूर्ण योजना बनाई थी हालांकि अभी इस योजना पर बहुत अधिक काम होना बाकी है।

नदी जोड़ने की राष्ट्रीय योजना कागजों में दम तोड़ रही है। हालांकिकेंद्र में मोदी सरकार इस संबंध में काफी हद तक सजग है उम्मीद करते हैं कि मौजूदा सरकार प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए और अधिक संसाधनों का विकास व बचाव की कारगर योजनाएं तैयार करेंगे ताकि जनधन की क्षति होने से बचाया जा सके।

आखिर कब तक बाढ सूखा अतिवृष्टि हमारी नियति बनकर तबाही लातेर हेंगे।

यदि आजादी के बाद की सरकारों ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के लिए समय रहते गंभीरता से दूर दर्शिता के साथ योजना तैयार कर उनपर क्रियान्वयन किया होता तो आज जब हम आजादी की हीरक जयंती मना रहे हैं तब इन आपदाओं से निपटने के लिए हम तैयार हो चुके होते लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

अब भी मौजूदा सरकारें चाहे तो हालात काफी हद तक बदल सकती हैं। रूरतनारो से बाहर निकल कर धरातल पर काम करने की है।

मालदीव में योग दिवस मनाते लोगों पर हमला उग्रवादी तत्वों का काम है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

क्या मालदीव के कुछ उग्रवादी इस्लामी लोग सारी इस्लामी दुनिया का प्रतिनिधित्व करते हैं? सच्चाई तो यह है कि मालदीव के ये विघ्नसंतोषी लोग इस्लाम को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। इस्लाम का योग से क्या विरोध हो सकता है? क्या योग बुतपरस्ती सिखाता है?

मालदीव की राजधानी माले में एक अजीब-सा हादसा हुआ। 21 जून को योग-दिवस मनाते हुए लोगों पर हमला हो गया। काफी तोड़-फोड़ हो गई। कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। मालदीव में यह योग-दिवस पहली बार नहीं मनाया गया था। 2015 से वहां बराबर योग-दिवस मनाया जाता है। उसमें विदेशी कूटनीतिज्ञ, स्थानीय नेतागण और जन-सामान्य लोग होते हैं। इन योग-शिविरों में देसी-विदेशी या हिंदू-मुसलमान का कोई भेद-भाव नहीं किया जाता है। इसके दरवाजे सभी के लिए खुले होते हैं।

यह योग-दिवस सिर्फ भारत में ही नहीं मनाया जाता है। यह दुनिया के सभी देशों में प्रचलित है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस योग-दिवस को मान्यता दी है। मालदीव में इसका विरोध कट्टर इस्लामी तत्वों ने किया है। उनका कहना है कि योग इस्लाम-विरोधी है। उनका यह कहना यदि ठीक होता तो संयुक्त राष्ट्र संघ के दर्जनों इस्लामी देशों ने इस पर अपनी मोहर क्यों लगाई है? उन्होंने इसका विरोध क्यों नहीं किया?

क्या मालदीव के कुछ उग्रवादी इस्लामी लोग सारी इस्लामी दुनिया का प्रतिनिधित्व करते हैं? सच्चाई तो यह है कि मालदीव के ये विघ्नसंतोषी लोग इस्लाम को बदनाम करने का काम कर रहे हैं। इस्लाम का योग से क्या विरोध हो सकता है? क्या योग बुतपरस्ती सिखाता है? क्या योगाभ्यास करने वालों से यह कहा जाता है कि तुम नमाज़ मत पढ़ा करो या रोजे मत रखा करो?

वास्तव में नमाज और रोज़े, एक तरह से योगासन के ही सरल रूप हैं। यह ठीक है कि योगासन करने वालों से यह कहा जाता है कि वे शाकाहारी बनें।

शाकाहारी होने का अर्थ हिंदू या काफिर होना नहीं है। कुरान शरीफ की कौन-सी आयत कहती है कि जो शाकाहारी होंगे, वे घटिया मुसलमान माने जाएंगे? जो कोई मांसाहार नहीं छोड़ सकता है, उसके लिए भी योगासन के द्वार खुले हुए हैं। योग का ताल्लुक किसी मजहब से नहीं है। यह तो उत्तम प्रकार की मानसिक और शारीरिक जीवन और चिकित्सा पद्धति है, जिसे कोई भी मनुष्य अपना सकता है।

क्या मुसलमानों के लिए सिर्फ वही यूनानी चिकित्सा काफी है, जो डेढ़-दो हजार साल पहले अरब देशों में चलती थी? क्या उन्हें एलोपेथी, होमियोपेथी और नेचरोपेथी का बहिष्कार कर देना चाहिए? बिल्कुल नहीं! आधुनिक मनुष्य को सभी नई और पुरानी पेथियों को अपनाने में कोई एतराज क्यों होना चाहिए? इसीलिए यूरोप और अमेरिका में एलोपेथी चिकित्सा इतनी विकसित होने के बावजूद वहां के लोग बड़े पैमाने पर योग सीख रहे हैं, क्योंकि योग सिर्फ चिकित्सा ही नहीं है, यह शारीरिक और मानसिक रोगों के लिए चीन की दीवार की तरह सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम भी है।

मानसखंड मंदिरमाला परियोजना को गति देने की तैयारी

ओम प्रकाश उनियाल

उत्तराखंड में पर्यटन को ऊंचाईयों तक ले जाने के लिए उत्तराखंड सरकार अपने कदम निरंतर आगे बढ़ाती जा रही है। नए-नए व विकास की बाट जोह रहे पर्यटन-स्थलों की पहचान कर उनके विकास को मूर्त रूप देने की तैयारी कर रही है। उत्तराखंड मध्य हिमालय के आंचल में बसा राज्य है। जो अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध तो है ही देवी-देवताओं की भूमि एवं ऋषि-मुनियों की तपस्थली के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि यह पर्वतीय राज्य अपने आप में पर्यटन की अपार संभावनाएं समेटे हुए है। राज्य में दो मंडल हैं। कुमांऊ व गढ़वाल। पुराणों में भी गढ़वाल को केदारखंड और कुमांऊ को मानसखंड के नाम से जाना जाने का उल्लेख मिलता है। गढ़वाल मंडल में चार धाम हैं। गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ और केदारनाथ। जो कि रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी व चमोली जिलों में स्थित हैं एवं पूरी तरह विकसित किए जा चुके हैं। हर साल यहां मई माह में शुरु होने वाली चार धाम यात्रा का संचालन सुचारु तौर पर किया जाता है। वैसे तो चारों स्थलों की महत्ता प्राचीन काल से ही है लेकिन जबसे इनका विकास किया गया है तब से यहां के पर्यटन को काफी बढ़ावा मिल रहा है। पर्यटकों का आकर्षण निरंतर बना रहता है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। चार धाम की तर्ज पर कुमांऊ के मंदिरों को विकसित करने के लिए सरकार मानसखंड कॉरिडोर परियोजना शुरु करने की तैयारी कर रही है। इस परियोजना को मंदिरमाला परियोजना के नाम से भी जाना जाएगा। जिसके तहत प्रमुख मंदिरों जो कि चिन्हित भी किए जा चुके हैं, को आपस में जोड़ने के लिए सड़क व अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। इसके अलावा अन्य ऐसे पर्यटन-स्थल भी विकसित किए जाएंगे जो पर्यटकों की पहुंच से दूर हैं।

जीवन में छोटी चीजों का आनंद लें, इस लम्हे में खुश रहिये, ये लम्हा ही ज़िंदगी है

सत्यवान 'सौरभ'

जीवन में छोटी चीजों का आनंद लें क्योंकि एक दिन आप पीछे मुड़कर देखेंगे और महसूस करेंगे कि वे बड़ी चीजें थीं। छोटी चीजें जरूरी हैं क्योंकि वे हमारे जीवन के विशाल बहुमत को शामिल करती हैं। महत्वपूर्ण घटनाएं छिटपुट रूप से घटित होती हैं। छोटे-छोटे पल-पल होते रहते हैं। जब आप छोटी-छोटी चीजों की उपेक्षा करते हैं, तो आप अपने जीवन का काफी आनंद लेने से चूक जाते हैं।

बचपन मे कहानी सुनी थी -एक मुर्गी रोज एक सोने का अन्डा देती थी पर उसके मालिक ने बडी खुशी के लिऐ उस मुर्गी को मारकर सब अन्डे साथ मे निकालने की सोची; न अन्डा मिला न मुर्गी बची तो तात्पर्य ये है की एक बडी खुशी से जीवन मे छोटी-छोटी खुशियां ज्यादा मायने रखती है।

छोटी-छोटी बातों की सराहना किए बिना केवल बड़ी चीजों के बारे में सोचना हानिकारक भी हो सकता है। भव्य उपलब्धियों से जुड़ा एक बाहरी और आंतरिक दबाव है, और बहुत अधिक दबाव में रहने से आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

चिंता की भावना, नींद की कठिनाइयों, एक समझौता प्रतिरक्षा प्रणाली, और अस्पष्ट दर्द और दर्द अत्यधिक तनावग्रस्त होने के असामान्य लक्षण नहीं हैं। हमारे पास पहले से मौजूद साधारण चीजों का आनंद लेने के बजाय हमेशा अधिक चाहना एक बहुत ही असंतोषजनक जीवन की ओर ले जा सकता है।

जबकि लक्ष्य और सपने निश्चित रूप से फायदेमंद होते हैं, अधिक पाने की अतृप्त इच्छा आपको असंतुष्ट और आक्रोशित महसूस करा सकती है। निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास आपको वर्तमान क्षण में आनंद और कृतज्ञता से दूर कर देता है।

इस प्रकार की मानसिकता आपके पास जो है उससे ध्यान हटा देती है और इसे कमी के विचारों पर लगा देती है। हालांकि, एक आभारी हृदय आपको अभी हो रही छोटी-छोटी चीजों की सराहना करने में अच्छाई देखने की अनुमति देता है।

छोटी-छोटी चीजों की सराहना करने की क्षमता आपके जीवन को बड़े पैमाने पर उन्नत कर सकती है। छोटी-छोटी बातों का जश्न मनाने और परिप्रेक्ष्य में थोड़े बदलाव के साथ हर दिन आभारी होने का कारण है।

जिस तरह हर दिन की अपनी खुशियाँ होती हैं, उसी तरह हर दिन का भी अपना संघर्ष होता है। जब हमारे जीवन में छोटी-छोटी चीजों के लिए कृतज्ञता की कमी होती है, तो ये संघर्ष हमें और अधिक प्रभावित कर सकते हैं। एक सकारात्मक और आभारी मानसिकता, हालांकि, जब हम दैनिक निराशाओं का सामना करते हैं, तो हमारे लचीलेपन का निर्माण करेंगे।

ऐसा महसूस न करें कि आप ब्रह्मांड में हैं और पहले से ही। उसका हिस्सा महसूस करो। अहंकार हमें सकारात्मक से अलग महसूस कराता है क्योंकि यह हमें विश्वास दिलाता है कि हम दूसरों की तुलना में अधिक हैं। अपनी पहचान की सराहना करें आप एक विशाल स्पेक्ट्रम के भीतर एक अद्वितीय कोड हैं, हालांकि कुछ विपरीत कहते हैं।

अपने विचारों को हमेशा सकारात्मक होने की ओर केंद्रित करें और खुद को धोखा न दें। शुरू से ही वे बेहद साधारण सिफारिशों की तरह आवाज करते हैं, लेकिन वास्तव में कई लोगों को समझने और आंतरिक रूप से कठिन लगता है। हमें याद रखना चाहिए कि हम वही हैं जो हम करते हैं, और यह कि कोई भी बदलाव आसान नहीं है।

अक्सर लोग कहते हैं- अरे खुश रहो यार। खुश रहने में कुछ पैसा नहीं लगता। क्या ये पूरी तरह सच है? ज़रा पूछिये उस धनाढ्य व्यक्ति से, जिसके पास दुनिया की तमाम एशो-आराम दे सकने वाली वस्तुयें मयस्सर हैं मगर रुहानी खुशी, वास्तविक आनंद..क्या वह दौलत से खरीद सकता है? नहीं न? आनंद का अनुभव करने के लिये हमें वास्तव में बाहर नहीं खोजना चाहिये। खुशी हमारे भीतर ही है। आंतरिक ठहराव, संतुष्टि, सुकून और प्राणी मात्र के प्रति सद्भाव/दया/स्नेह तथा परिस्थितियों का सामना करने की अपनी क्षमता का निरंतर बोध ही आपको वास्तविक खुशी प्रदान कर सकता है।

एक बार आप भीतर से संवेदंशील एवं सक्षम हो गये तो फिर क्या है !अपने चारों ओर नज़रें घुमा के तो देखिये- -ज़िंदगी खुशियों से भरपूर दिखाई देगी??--- भँवरे का गुंजन, पक्षियों का कलरव, बच्चों की किलकारी, उनके दमकते हुए चेहरे, बारिश की टिप-टिप ध्वनि, उसके पश्चात धरती से उठती सौंधी-सौंधी खुशबू, हवा का आभास....और न जाने क्या क्या.. ये सब आपको आह्लादित कर देंगे। उमर ख्य्याम के प्रसिद्ध शब्दों में इस लम्हे में खुश रहिये। ये लम्हा ही ज़िंदगी है!

तो भई, अपन तो कोशिश करते हैं कि खुद भी खुश रहा जाये और दूसरों को भी रखा जाये। हाँ, एक बात का ज़रूर ख्याल रखें-कभी भी दूसरों के खर्चे पर खुश रहने या होने का प्रयास न करें।

अर्थात, अपने से कमज़ोर को बुली करके, दूसरों की नाकामयाबी य परेशानी का लुत्फ उठाके, दूसरों से मेहनत करवा के (मसलन-मैं जब भी धर्मिक स्थलों पर मोटे-मोटे और सक्षम व्यक्तियों-खास तौर पर नौजवान पुरुषों-को मज़दूरों द्वारा उठायी डोलियों पर या सींकिया खच्चरों पर सवारी करते देखता हूं तो अच्छा नहीं लगता। या सडकों पर थ्रिल के नाम पर खतरनाक ड्राईविंग करना कुछ इस प्रकार के सुख हैं जो मेरी नज़र में दूसरों के खर्चे पर लिये जाते हैं। हम तो इन छोटी-छोटी खुशियों को पा के ही जन्नत का मज़ा लूटते हैं क्योंकि प्रसिद्ध लेखिका मार्था ट्रोली कर्टिन ने कहा था: जिस वक्त को बर्बाद करने में मज़ा आये, वह बर्बाद वक्त नहीं है।

जो ज़बाँ से लगती है वो कभी नहीं जाती

जो ज़बाँ से लगती है वो कभी नहीं जाती दर्द भी नहीं जाता, चोट भी नहीं जाती

गर तलब हो सादिक़[1] तो ख़र्च-वर्च कर डालो मुफ़्त की शराबों से तिश्नगी[2] नहीं जाती

अब भी उसके रस्ते में दिल धड़कने लगता है हौसला तो करता हूँ बुज़दिली नहीं जाती

कुछ नहीं है दुनिया में इक सिवा मुहब्बत के और ये मुहब्बत ही तुमसे की नहीं जाती

तर्के-मय[3] को ऐ वाइज़[4] तू न कुछ समझ लेना
इतनी पी चुका हूँ के और पी नहीं जाती

शाख़ पर लगा है गर उसका क्या बिगड़ना है फूल सूँघ लेने से ताज़गी नहीं जाती

नाव को किनारा तो वो ख़ुदा ही बख़्शेगा फिर भी नाख़ुदाओं[5] की बंदगी नहीं जाती

शेरो शायरी क्या है सब उसी का चक्कर है वो कसक जो सीने से आज भी नहीं जाती

शार्ट न्यूज

मुस्लिम युवा भी बनें 'अग्निवीर', कानपुर में मस्जिदों से की गई अपील

कानपुर। कानपुर में जुमा की नमाज से पहले और बाद में कुछ मस्जिदों में युवाओं से अपील की गई कि वे अग्निपथ योजना के लिए आवेदन करें। कहा गया कि अग्निवीर बनकर यह देश की सेवा करने का एक और अवसर है। यतीम खाना चौराहा स्थित नानपारा मस्जिद के इमाम मौलाना मेराज अशरफी ने कहा कि आप लोग अपने बेटों को इसके लिए आवेदन कराएं। उन्होंने युवाओं से कहा कि यह एक अच्छा अवसर है जहां न सिर्फ उनके लिए रोजगार है बल्कि देश की सेवा करने का एक अवसर भी है। सुन्नी उलमा काउंसिल के महामंत्री हाजी मोहम्मद सलीस ने कहा कि अग्निपथ सेवा को लेकर विवाद में पड़ने की जरूरत नहीं है। भले ही अग्निपथ चार वर्ष के लिए है लेकिन इसके बाद भी तमाम अवसर खुले हुए हैं। उन्होंने कहा कि काउंसिल की ओर से तमाम मस्जिदों में युवाओं को आवेदन करने के लिए अपील की गई है। यह देश की सेवा से भी जुड़ा है। हमें न सिर्फ रोजगार मिलेगा बल्कि मुल्क की खिदमत करने का भी अवसर प्राप्त होगा।

चलती इंटरसिटी एक्सप्रेस में लोको पायलट की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल ले जाते समय मौत

अमेठी। यूपी के प्रतापगढ़ से कानपुर जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन के लोको पायलट (ट्रेन चालक) की शुक्रवार को चलती ट्रेन में ही तबीयत खराब हो गई। चालक को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गौरीगंज रेलवे स्टेशन के अधीक्षक प्रवीण सिंह ने शुक्रवार को बताया कि प्रतापगढ़ जिले के परशुरामपुर चिलबिला निवासी लोको पायलट हरिश्चंद्र शर्मा (46) शुक्रवार सुबह इंटरसिटी ट्रेन को लेकर कानपुर जा रहे थे। अचानक फुर्सतगंज थाना क्षेत्र के कासिमपुर हॉल्ट के पास उनकी तबीयत खराब हो गई। उन्होंने बताया कि सहायक लोको पायलट ने ट्रेन रोक कर एंबुलेंस को बुलाया। इसके बाद उन्हें नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों का अनुमान है कि संभवत: हृदय गति रुकने की वजह से उनकी मौत हुई। ट्रेन कासिमपुर हॉल्ट पर काफी देर तक खड़ी रही और प्रतापगढ़ से दूसरे चालक के आने के बाद ट्रेन अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई। फुर्सतगंज के थाना प्रभारी मनोज कुमार सोनकर ने कहा कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

हैवान बना पति, पत्नी और दो बच्चों को किया आग के हवाले; महिला की मौत

कुशीनगर। कुशीनगर के गांव फर्द मुंडेरा में एक युवक ने अपनी पत्नी और दो बच्चों पर पेट्रोल छिड़क कर उन्हें आग के हवाले कर दिया। इस घटना में महिला की मौत हो गई तथा बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार फर्द मुंडेरा गांव का रहने वाला रामसमुझ मजदूरी करता है। वह अपने परिवार के साथ एक कमरे के मकान में रहता है। तीन दिन पहले रामसमुझ की पत्नी सुभावती देवी (32) से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इससे नाराज रामसमुझ ने पत्नी से मारपीट की और घर से चला गया। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को रात करीब 12:00 बजे उसने घर वापस आकर अपने साथ लाए पेट्रोल से कमरे में सो रही पत्नी सुभावती देवी, बेटी मुस्कान (10) और बेटा करण (4) पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी और घर से भाग गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। किसी तरह से आग बुझाई गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस पहुंची। महिला और उसके बच्चों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि दोनों बच्चों की हालत गंभीर है।

लखीमपुर में हादसा : हाईवे पर बस और ट्रक में भिड़ंत, चार की मौत, 20 घायल

लखीमपुर खीरी। यूपी के लखीमपुर खीरी में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। हाईवे पर बस और ट्रक की सीधी भिड़ंत में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। मृतकों में दो की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ईसानगर थाना क्षेत्र के ऊंचागांव के पास स्थित नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की दोपहर एक बस और ट्रक की सामने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दूर तक हादसे के बाद धमाके की आवाज हुई। आनन-फानन में आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस भी सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंच गई। जैसे-तैसे बस में सवार लोगों को बाहर निकाला, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। मरने वाले दो लोगों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जबकि 20 अन्य लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए। पुलिस ने आनन-फानन में घायलों को एंबुलेंस के जरिए खमरिया सीएचसी और जिला अस्पताल भिजवाया।

अग्निपथ को लेकर किसानों का आंदोलन, मऊ स्टेशन छावनी में तब्दील, चंदौली में धरना

मऊ। छात्रों के अग्निपथ आंदोलन के समर्थन में किसान नेताओं द्वारा प्रस्तावित आंदोलन को देखते हुए शुक्रवार को मऊ जंक्शन पुलिस छावनी में तब्दील रहा। सुरक्षा के मद्देनजर मऊ जंक्शन पर रेलवे पुलिस ने मॉक ड्रिल भी किया। मॉक ड्रिल के दौरान जीआरपी, आरपीएफ एवं सिविल पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से जंक्शन का दौरा करते हुए सभी आने-जाने वाले यात्रियों की गहन चेकिंग की गई। विशेष तौर पर किसान नेताओं पर रेलवे पुलिस की पैनी नजर रही। आदर्श श्रेणी के मऊ जंक्शन पर छात्रों के अग्निपथ आंदोलन के समर्थन में किसान नेताओं द्वारा प्रस्तावित आंदोलन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के चौकस इंतजाम किए गए थे। शुक्रवार की सुबह 10 बजे ही आरपीएफ प्रभारी अजय सिंह, जीआरपी थानाध्यक्ष दीपक कुमार चौधरी भारी संख्या में रेलवे पुलिस बल के जवानों एवं सिविल पुलिस के साथ माक ड्रिल किए। इस दौरान रेलवे पुलिस के जवानों ने प्लेटफार्म संख्या एक, प्लेटफार्म संख्या दो, प्लेटफार्म संख्या तीन, प्लेटफार्म संख्या चार पर आने-जाने वाले सभी यात्रियों की सघन तलाशी ली। रेलवे के जवानों की पैनी नजर किसान नेताओं पर विशेष तौर पर रही। आंदोलन के तहत सुरक्षा में कोई चूक न हो इसको लेकर उच्चाधिकारी व जवान काफी मुस्तैद दिखाई दिए। मऊ जंक्शन पर पर आने वाले सभी लोगों पर जवानों ने नजर रखना शुरू कर दिया था। इस दौरान उच्चाधिकारियों ने किसान नेताओं को चेतावनी दी कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी कीमत पर रेलवे की सम्पत्तियों का नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जौनपुर : एंबुलेंस में गूंजी बच्ची की किलकारी, जच्चा बच्चा सुरक्षित

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में केराकत तहसील क्षेत्र के खरगसेनपुर में एक गर्भवती महिला की शुक्रवार को तड़के एंबुलेंस में ही बच्चे की सुरक्षित डिलिवरी कराई गई। एंबुलेंस में बच्ची की किलकारी गूंजने के बाद जच्चा बच्चा को केराकत स्थित सामुदायिक केन्द्र में सुरक्षित भर्ती कराया गया। स्थानीय प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वर्षा पत्नी आशीष की गुरुवार को मध्य रात्रि के बाद प्रसव पीड़ा शुरु हुयी। असहनीय दर्द देख परिजनों ने तड़के सुबह लगभग साढ़े चार बजे फोन करके एंबुलेंस बुलायी। सूचना पाकर महज 15 मिनट में पहुंची एंबुलेंस महिला को लेकर जैसे ही थानागद्दी को पार कर आगे निकल रही थी, तभी चिकित्साकर्मियों ने गर्भवती महिला की सकुशल डिलेवरी करायी। ईएमटी जयप्रकाश ने बताया की महिला का असहनीय दर्द देख एंबुलेंस चालक संजय कुमार से सुरक्षित जगह पर गाड़ी खड़ी कर दी। इसके बाद चिकित्साकर्मियों ने आपात स्थिति में सुरक्षित प्रसव क्रिया संपन्न करायी। इसके बाद जच्चा बच्चा को सामुदायिक उपचार केन्द्र लाया गया। एंबुलेंस में सुरक्षित डिलिवरी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

हत्यारों ने गले के साथ उंगलियां भी काटीं

देवरिया में 16 साल के लड़के की निर्ममता से हत्या; खेत में मिली लाश

देवरिया। यूपी के देवरिया जिले के लार थाना क्षेत्र के सुतावर चौमुखा मार्ग पर एक खेत में 16 साल के किशोर की निर्ममता से हत्या कर लाश फेंक दी गई। हत्यारों ने किशोर का गला काटने के साथ ही उसके दाहिने हाथ की दो उंगलियां भी काट दीं।

शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लार थाना क्षेत्र के युसुफ रोड का रहने वाला रहमान (16) पुत्र मोहम्मद सलीम गुरुवार की शाम को घर से बाइक से निकला था। शुक्रवार की सुबह लार थाना क्षेत्र के सुतावर से चामुखा जाने वाली सड़क एक खेत में रहमान का शव पड़ा था। आसपास के गांव के लोग सड़क पर टहल रहे थे उसी दौरान सड़क किनारे खेत में किशोर का शव देखा। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोर के शव की तलाशी ली लेकिन उसके पास तो कोई भी सामान बरामद नहीं हुआ। किशोर की गला काट कर हत्या की गई थी। हत्यारों ने किशोर का गला काटने के साथ ही उसके दाहिने हाथ की दो उंगलियां भी काट दीं। हत्या की सूचना आग की तरह पूरे क्षेत्र में फैल गई।

लार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में पूछे जाने पर थानेदार नवीन कुमार सिंह ने कहा कि मामले की जांच चल रही है।

खिड़की में फंदे से लटका मिला सिपाही की पत्नी का शव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के दुबग्गा कोतवाली में तैनात सिपाही रिंकू गौतम की पत्नी ब्रजेश कुमारी (26) का शव शुक्रवार सुबह फंदे से लटकता हुआ मिला। हादसे के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। ब्रजेश कुमारी ने किन परिस्थिती में फांसी लगाई या उसके साथ कोई अनहोनी हुई। इस बात की पड़ताल पुलिस कर रही है। बदांयू निवासी ब्रजेश कुमारी की शादी वर्ष 2015 में रिंकू गौतम से हुई थी। जो सिपाही है। रिंकू की तैनाती दुबग्गा थाने में है। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे ब्रजेश कुमारी का शव दुपट्टे के सहारे खिड़की से लटकता मिला। इंस्पेक्टर अनिल प्रकाश सिंह के अनुसार महिला के परिवार को सूचना दी गई है। उनके आने पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। अगर मायके पक्ष से कोई तहरीर मिलती है। तो उसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई होगी। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा मौत किस तरह से हुई है।

बाराबंकी में बिजली कनेक्शन काटने गई टीम पर हमला, मुकदमा दर्ज

बाराबंकी। बाराबंकी में विद्युत बिल के बकाये पर कनेक्शन काटने गई बिजली विभाग की टीम पर तीन लोगों ने हमला बोल दिया। कर्मचारियों की लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। अवर अभियंता की तहरीर पर तीन लोगों के विरुद्ध सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा मारपीट करने का मुकदमा पुलिस ने दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

विद्युत बिल की वसूली के लिए रामसनेहीघाट क्षेत्र के सनौली गांव में गुरुवार को विद्युत कैंप लगा हुआ था। शाम को बकाएदार के कनेक्शन काटने का अभियान शुरू हुआ। टीम सूची के आधा पर 14575 रुपए के बकाएदार देव शर्मा के घर पहुची। पता चला कि देव शर्मा का निधन हो चुका है और बिजली का उपभोग उनके पुत्रों द्वारा किया जा रहा है।

बकाया जमा करने का अनुरोध जब घरवालों ने नहीं माना तो अवर अभियंता राज मौर्य संविदा कर्मी शिव शंकर, राम सुमिरन, अरुण शुक्ला, अभिषेक वर्मा, कमलेश ,नन्हे लाल तथा बृजेश कुमार टीम कनेक्शन काटने के लिए पहुची। एक संविदा कर्मी पोल पर चढ़ा हुआ था, तभी देव शर्मा के पुत्र लल्लन, विजय के साथ ही एक अज्ञात महिला ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। यह देख सभी विद्युत कर्मी मौके से भाग गए।

आगरा : लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला की हत्या, हाथ बांधकर चौथी मंजिल से नीचे फेंका

आगरा। आगरा में एक महिला के हाथ बांधकर उसे अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया। महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। महिला एक युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। आरोप है कि हमलावरों ने उस युवक की हत्या का भी प्रयास किया।

पुलिस के अनुसार, थाना ताजगंज के अंतर्गत ताजनगरी फेस-1 में ओमश्री अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर एक फ्लैट में रितिका और विपुल अग्रवाल लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रह रहे थे। रितिका का अपने पति से और विपुल का अपनी पत्नी से तलाक का मुकदमा चल रहा है। आज दोपहर करीब 12 बजे उनके फ्लैट पर तीन युवक और दो महिलाएं आए। थोड़ी देर बाद अपार्टमेंट के लोगों ने किसी भारी चीज के नीचे गिरने की आवाज सुनी। उन्होंने बाहर निकलकर देखा, तो सामने रितिका खून से लथपथ पड़ी थी। अपार्टमेंट निवासियों ने तुरंत पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर डिप्टी एसपी अर्चना सिंह और ताजगंज थाने का फोर्स मौके पर पहुंच गया।

पुलिस ने वारदात में शामिल दो महिलाओं सुनीता और सुशीला के साथ आकाश गौतम को हिरासत में ले लिया है। इसके साथ ही विपुल को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। विपुल अग्रवाल ने बताया कि पांच लोग घर पर आए। दरवाजा खोलते ही अंदर घुस गए। उनमें से सिर्फ रितिका के पति आकाश गौतम को ही विपुल पहचानता था। वह टूंडला का रहने वाला है। उन लोगों के आते ही विपुल और रितिका से मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने रितिका को रस्सी से बांधा और उसका गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसे नीचे फेंक दिया। विपुल ने बताया कि वे लोग मेरी भी हत्या करने वाले थे। मगर, मैंने खिड़की का शीशा तोड़कर शोर मचाया। लोगों के आने पर बड़ी मुश्किल से मेरी जान बची। उसने पुलिस को बताया कि रितिका से मारपीट भी की गई थी। रितिका के चेहरे पर एक कट का निशान भी है। ऐसा लग रहा है कि उसके साथ पहले मारपीट की गई। फिर उसकी हत्या की गई। बाद में शव को नीचे फेंका गया। हालांकि, पुलिस इस मामले में अभी जांच करने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रही है।

आयुष्मान में बड़े फर्जीवाड़ा का खुलासा

139 अस्पतालों ने की सरकारी धन की लूटपाट

लखनऊ। केंद्र की आयुष्मान योजना को यूपी के कुछ अस्पतालों ने धंधे का साधन बना लिया है। कहीं बिना ऑपरेशन किए ही पैसे वसूल लिए गए तो कहीं बिना जरूरत के ही मरीज को भर्ती कर लिया। किसी ने तीन दिन में छुट्टी के बाद भी 10 दिन मरीज को एडमिट दर्शाकर भुगतान ले लिया। फर्जीवाड़ा करने वाले 139 अस्पतालों को आयुष्मान योजना से बाहर किया गया है। इनमें से बहुतों पर जुर्माना भी लगाया गया है।

केंद्र सरकार ने गरीब तबके के लोगों को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति दिलाने को आयुष्मान भारत योजना शुरू की थी। इसके तहत पांच लाख रुपये तक के इलाज का खर्च सरकार उठाती है। इसी तर्ज पर प्रदेश में मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना भी चल रही है। मगर कुछ अस्पतालों ने इन योजनाओं को कमाई का जरिया बना लिया है। मगर योजना की कड़ी निगरानी के चलते यह तमाम

फर्जीवाड़ा सामने आ रहा है। बीते ढाई साल में फर्जीवाड़ा करने वाले 139 अस्पतालों पर गाज गिरी है।

डॉक्टरों की डिग्रियों का भी दुरुपयोग

बरेली के एक अस्पताल पर इसलिए कार्रवाई की गई क्योंकि वहां मरीज का ऑपरेशन ऐसे डॉक्टर से करा दिया गया, जो उसे करने योग्य ही नहीं था। वहां दो डॉक्टरों ने अस्पताल पर उनकी डिग्री फर्जी ढंग से प्रयोग करने का आरोप भी लगाया। शिकायत के बाद कुछ अस्पताल खुद भी योजना से अलग हो गए।

कई अस्पतालों को कोविड-19 के मरीजों का इलाज न करना भी महंगा पड़ा।

आयुष्मान योजना के संचालन का काम देख रही सांचीज ने शामली स्थित हॉस्पीटल सहित कई अन्य ऐसे अस्पतालों को सूची से बाहर कर दिया है, जिन्होंने कोरोना पीड़ितों का इलाज करने से इंकार कर दिया। इसके अलावा कई अस्पतालों द्वारा इलाज के लिए मरीज से पैसे मांगे जाने की शिकायतें भी सही पाई गईं। जिसके चलते उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

20 करोड़ से अधिक की रिकवरी

सांचीज की सीईओ संगीता सिंह की मानें तो कई अस्पतालों ने विभिन्न तरीकों से फ्रॉड करके योजना से भुगतान ले लिया। मगर जब ऐसे मामलों की जांच की गई तो फर्जीवाड़ा पकड़ में आ गया। अभी तक ऐसे अस्पतालों से 20 करोड़ रुपये से अधिक की रिकवरी की जा चुकी है।

तीन स्तरों पर जांच की व्यवस्था

आयुष्मान योजना के तहत आने वाले संदिग्ध मामलों की तीन स्तर पर जांच की व्यवस्था है। सबसे पहले जिलों में तैनात एजेंसी द्वारा संदिग्ध मामलों के बारे में सांचीज को जानकारी दी जाती है। फिर प्रदेश में एंटी फ्रॉड के मामलों को देखने के लिए अलग टीम है। ज्यादा बड़े और संवेदनशील मामलों में नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट की मदद ली जाती है।

संदिग्ध अस्पतालों और मरीजों पर नजर

कुछ संदिग्ध अस्पतालों में योजना के तहत आने वाले क्लेम पर पैनी नजर रखने के साथ ही ऐसे केसों की भी छानबीन की जाती है, जिसमें गंभीर बीमारी न होने के बाद भी 10 दिन या उससे अधिक समय मरीज को भर्ती दिखाया गया।

यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में बम बनाने वाली गैंग गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में बम बनाने वाली गैंग को गिरफ्तार कर लिया है। गैंग ने प्रयागराज में एक ढाबे पर बमबाजी कर दहशत फैलाई थी। आरोपियों पर बमबाजी, लूट और डकैती करने के आरोप हैं। प्रयागराज पुलिस ने गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। हालांकि गैंग में कुल 8 सदस्य हैं। आरोपी लंबे समय से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हॉलैंड हॉल छात्रावास में रहकर बम बनाने का कारखाना चला रहे थे। आरोपियों के पास से एक स्विफ्ट कार पांच बम और एक तमंचा बरामद हुआ है। गैंग का सरगना विवेक यादव उर्फ बागी बलिया का रहने वाला है। ये गैंग लूट और छिनैती के साथ ही हत्या जैसी वारदात को अंजाम भी देते हैं। प्रयागराज समेत यूपी के कई जिलों में इस गैंग के सदस्यों पर अपराधिक मुकदमे है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हॉलैंड हॉल छात्रावास के 3 अलग-अलग कमरों में अवैध तरीके से पांचों लोग रहते थे। यहीं पर बम बनाने के साथ ही अन्य अपराधिक घटनाओं के लिए प्लानिंग करते थे। यह लोग बम हॉस्टल के अंदर बनाया करते थे। साथ ही बम के मटेरियल अलग-अलग जगह से खरीदा करते थे। बीते 20 जून को सिविल लाइंस के एजी ऑफिस मार्ग पर एक ढाबे के बाहर भी इसी ने गिरोह ने बमबाजी कर दहशत फैलाई थी। पुलिस बमबाजी की घटना के बाद से तलाश में जुटी हुई थी।

प्रयागराज एसएसपी अजय कुमार के मुताबिक, गैंग में दो सदस्य ऐसे भी हैं जो इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई करते थे। लेकिन विवेक यादव उर्फ बागी गिरोह से जुड़कर वह अपराधिक वारदातों में शामिल रहते थे। पुलिस के मुताबिक, गैंग में शामिल 8 सदस्यों में से पांच को अरेस्ट कर लिया गया है। तीन सदस्य फरार चल रहे हैं। उनकी तलाश में पुलिस की तेज तर्रार टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही सभी को अरेस्ट कर सलाखों के पीछे पहुंचाया जाएगा।

बरेली : रेप मामले में समझौता न करने पर पीड़िता के दादा की लाठी-डंडों से पीट-पीट कर हत्या

एजेंसी

बरेली। बरेली में रेप के एक मामले में समझौता न करने पर पीड़ित किशोरी के दादा की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि घटनास्थल पर मौजूद पीड़िता के दो चाचाओं ने दादा को बचाने की कोशिश की तो हमलावरों ने उन पर तमंचा तान दिया और गोली मारने की धमकी देकर भगा दिया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों के खिलाफ मीरगंज थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

बरेली के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि चार आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मीरगंज इलाके के एक गांव में रहने वाले पीड़िता के 55 वर्षीय दादा गुरुवार को दोपहर में दो बेटों के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर दवा लेने निकले थे। गांव से निकलते ही बंद पड़े मेंथा प्लांट के पास दुष्कर्म के आरोपी सूरज पाल के परिवारीजन महेंद्र, राहुल, रामस्वरुप और भगवान दास ने उन्हें सामने आकर रोक लिया और कहा कि अभी मौका है अभियुक्त सूरजपाल के पक्ष में बयान दोगे कि नहीं।

पीड़िता के दादा ने साफ कहा कि मरते दम तक बयान नहीं बदले जाएंगे। इस पर लाठी, डंडे और तमंचे से लैस अभियुक्त के परिजनों ने दादा पर हमला बोल दिया। उसके बेटों ने पिता को छुड़ाना चाहा तो हमलावरों ने उन पर तमंचे तान दिए और गोली मारने की धमकी दी। इस दौरान एक बेटे के साथ हमलावरों ने मारपीट भी की। इस पर दोनों वहां से भाग निकले। इसके बाद हमलावरों ने पीट-पीट कर पीड़िता के दादा की हत्या कर दी।

कानपुर ले जा रहे इंटरसिटी एक्सप्रेस के लोको पायलट की हार्ट अटैक से मौत, खड़ी रही ट्रेन

पुलिस अधीक्षक ने आगे बताया कि गांव पहुंचे बेटों ने पिता के मारे जाने की खबर दी। इस पर कुछ ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच कर पीड़िता के दादा का शव देख पुलिस को सूचना दी। थाना मीरगंज पुलिस ने शव को बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृत किसान के बेटे के मुताबिक एक साल पहले उनके परिवार की एक लड़की के साथ गांव के ही सूरजपाल ने दुष्कर्म किया था। इसकी रिपोर्ट थाना मीरगंज में दर्ज कराई गई थी। सूरजपाल जेल में बंद है। उसके परिवार के लोग काफी समय से उनके पिता पर समझौता करने का दबाव डाल रहे थे। आए दिन उनके परिवार को धमकियां भी दी जा रही थीं।

इंस्पेक्टर मीरगंज संदीप त्यागी ने बताया कि किसान के शरीर पर कोई खुली चोट नहीं थी। सर्फि आंख के नीचे चोट के निशान थे। सिर में गंभीर लगी चोट लगी हुई है। आरोपी महेंद्र, राहुल, भगवान स्वरूप और रामस्वरूप के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। चारों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का रनवे बनाने का काम शुरू

जेवर। उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहा देश के सबसे बड़े हवाईअड्डा (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) का रन-वे बनाने का काम आज से शुरू हो गया है।

जानकारी के अनुसार, एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 3900 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर होगी। इस एयरपोर्ट का उद्घाटन सितंबर 2024 में होना है। आपको बता दें कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण का ठेका टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के पास है। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) के मुताबिक टाटा प्रोजेक्ट इस परियोजना के लिए इंजीनियरिंग, निर्माण सामग्री की आपूर्ति और निर्माण से जुड़ी तमाम गतिविधियों को पूरा करेगी।

जेवर एयरपोर्ट समय पर बनकर तैयार हो जाएगा। इसे बनाने पर आने वाला खर्च भी तय सीमा को पार नहीं करेगा।

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ लमैन ने कुछ दिन पहले यह बात कही थे। बता दें कि जेवर एयरपोर्ट को बनाने और इसके संचालन के लिए वायआईएपीएल की स्थापना हुई है। यह ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल की सब्सिडियरी है और वायआईएपीएल में ज्यूरिख एयरपोर्ट की 100 फीसदी हिस्सेदारी है।

आपको बता दें कि जूरिक इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी ने वर्ष 2019 में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को विकसित करने के लिए बिड हासिल की थी। तब से लेकर अब तक इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पड़ाव पार किए गए हैं। इनमें सिक्योरिटी क्लीयरेंस, कंसेशन एग्रीमेंट, आर्किटेक्ट का चयन, ब्रांड आईडेंटिटी, शेयर होल्डर एंड स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट, मास्टर प्लान से जुड़ी मंजूरियां, डेवलपमेंट प्लान, एसबीआई के साथ वित्तीय समझौता और ईंधन की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण काम पूरे किए गए हैं। 1 अक्टूबर 2021 से कंस्ट्रक्शन टाइम लाइन शुरू हो चुकी है। 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरोपोर्ट का शिलान्यास किया था।

देरी हुई तो जुर्माना लगेगा

एयरपोर्ट में टर्मिनल वन बिल्डिंग 90 हजार वर्ग मीटर में बनेगी। विकासकर्ता कंपनी के साथ किए गए अनुबंध के मुताबिक 30 सितंबर 2024 से पहले एयरपोर्ट से उड़ान शुरू हो जाएंगी। पिछले साल अक्तूबर में लखनऊ में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) और विकासकर्ता कंपनी के बीच 40 साल का अनुबंध हुआ था। इसके तहत 1 अक्तूबर 2021 से निर्माण शुरू करना माना गया है और 1095 दिन के अंदर संचालन शुरू होना है। अगर निर्माण कार्य व उड़ान में देरी होती है दस लाख रुपये प्रतिदिन का जुर्माना लगाया जाएगा।

बस से टकराकर बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत; बर्थडे पार्टी मनाकर लौट रहे थे तीनों युवक

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में गुरुवार देर रात बाइक सवार तीन युवक सामने से आती एक बस से टकरा गए, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार फिरोजाबाद कोटला रोड पर थाना नारखी क्षेत्र में एक प्राइवेट बस बारात लेकर फिरोजाबाद की ओर आ रही थी। उसी समय फिरोजाबाद से तीन दोस्त बाइक पर सवार होकर जन्मदिन की पार्टी मना कर वापस अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तीनों दोस्त मोबाइल फोन से सेल्फी बनाने में इतने मशगूल थे कि उन्होंने सामने से आती बस को नहीं देखा और उससे टकरा गए।

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही थाना नारखी पुलिस मौके पर पहुंच गयी। इस दुर्घटना के तुरंत बाद बस में सवार बाराती भाग गए। पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी फतेह बहादुर सिंह ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त शिवम (22 वर्ष), आकाश (22 वर्ष) तथा गौरव (24 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों के परिजनों को सूचना देकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक शिवम का गुरुवार को जन्मदिन था। वह अपने दोस्त आकाश और गौरव के साथ जन्मदिन मना कर वापस लौट रहा था। तभी तीनों दोस्त चलती मोटर साइकिल पर सेल्फी लेने के चक्कर में इस हादसा के शिकार हो गए। शुक्रवार को तीन युवकों की मौत पर फरिहा में मातम छाया रहा पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर आरोपी बस चालक की तलाश की जा रही है।

टोयोटा और सुजुकी अगस्त से नए एसयूवी मॉडल का उत्पादन शुरू करेंगी

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने शुक्रवार को अपनी योजनाओं का आधिकारिक रूप से एलान करते हुए कहा कि दोनों मिलकर इस वर्ष अगस्त से एक एसयूवी मॉडल विकसित कर नए मॉडल का उत्पादन शुरू करेंगे।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर भारत में क्रमश: सुजुकी और टोयोटा मॉडल के रूप में नए मॉडल का विपणन करेंगे। इसके अलावा दोनों कंपनियां नए मॉडल को अफ्रीका सहित भारत के बाहर के बाजारों में निर्यात करने की योजना बना रही हैं।

कंपनी ने अपने बयान में कहा भारत में बिक्री के लिए नए मॉडल सुजुकी द्वारा विकसित माइल्ड हाइब्रिड और टोयोटा द्वारा विकसित मजबूत हाइब्रिड से लैस होंगी।

टोयोटा और सुजुकी के सहयोग से दोनों कंपनियां ग्राहकों को वाहन विद्युतीकरण प्रौद्योगिकियों की एक विस्तृत विविधता प्रदान करने में सक्षम होंगी और विद्युतीकरण में तेजी लाने के साथ साथ भारत में कार्बन तटस्थ समाज की प्राप्ति में योगदान देंगी।

टोयोटा के अध्यक्ष आकियो टोयोडा ने कहा, हमें सुजुकी के साथ नई एसयूवी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, एक ऐसी कंपनी जिसका भारतीय कारोबार में स्थानीय भागीदारी का एक लंबा इतिहास है। आज ऑटोमोबाइल उद्योग कई चुनौतियों का सामना कर रहा है जैसे विद्युतीकरण और कार्बन तटस्थता प्रमुख है। भारतीय ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के विकल्प प्रदान करने के लिए टोयोटा और सुजुकी की ओर से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में योगदान करने की उम्मीद करते हैं ।

सुजुकी के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजुकी ने कहा कि टीकेएम में नई एसयूसी विनिर्माण की परियोजना भारत की वृद्धि में योगदान देगी।

सुजुकी के अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने कहा, टीकेएम में नई एसयूवी का उत्पादन एक ऐसी परियोजना है जो ग्राहकों द्वारा आवश्यक पर्यावरण के अनुकूल गतिशीलता प्रदान करके भारत के विकास में योगदान दे सकती है। हम मानते हैं कि यह भविष्य में हमारे सहयोग को और ज्यादा आगे बढ़ाने की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा।

हम टोयोटा से समर्थन की सराहना करते हैं और साथ ही निरंतर सहयोग और आपसी तालमेल से व्यावसायिक अवसर बनाएंगे।

फिनटेक स्टार्टअप कास्टलर ने जुटाये 10 लाख डॉलर

नयी दिल्ली। ग्लोबल एस्क्रो बैंकिंग सॉल्यूशन प्रोवाइडर कास्टलर ने आज जेरोधा की वेंचर कैपिटल इकाई रेनमैटर के नेतृत्व में सीड फंडिंग राउंड में 10 लाख डॉलर जुटाने का ऐलान किया। इस फंडिंग राउंड में वेंचर कैटालिस्ट, 9यूनिकॉर्न, फाड नेटवर्क और लेट्सवेंचर ने भी हिस्सा लिया। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस फंड की मदद से कास्टलर घरेलू और वैश्विक स्तर पर एस्क्रो प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी और 10 अन्य बैंकों के साथ हाथ मिलाते हुए अगले एक साल में कारोबार को 10 गुना तक बढ़ाएगी। कास्टलर कंपनियों के लिए एक ग्लोबल एस्क्रो प्लेटफॉर्म है, जहां घरेलू और वैश्विक स्तर पर एस्क्रो सॉल्यूशन मिलता है। कास्टलर में कंपनियों एवं बैंकों को अनूठा एस्क्रो मैनेजमेंट टीएसपी सॉल्यूशन मिलता है। अप्रैल, 2021 से कार्यरत कंपनी इस समय 150 से ज्यादा कंपनियों के लिए एस्क्रो सॉल्यूशन प्रदाता है।

स्लैक हडल्स में साथ-साथ काम करने के नए तरीके प्रस्तुत

नयी दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण पिछले कुछ सालों में हुए अभूतपूर्व परिवर्तनों में ढलने के लिए पूरी दुनिया की कंपनियों ने डिजिटल समाधानों का रुख किया। अब पूरी दुनिया उस युग में रहकर नवसृजन कर रही हैं, जहां डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर भौतिक मुख्यालयों की जगह ले चुका है। डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के बूते ही महामारी एवं अन्य वैश्विक परिवर्तनों के दौरान लचीलापन, उत्पादकता, और सहयोग बनाकर रखा जा सका।

अब अनेक आधुनिक कार्यस्थल केवल वर्चुअल या फिज़िकल नहीं हैं, बल्कि वो इन दोनों का मिश्रण हैं, और नॉलेज के क्षेत्र में 66 प्रतिशत कार्यबल लचीली कार्य व्यवस्था में काम करता है।

ऑफिस से प्रतिभाओं की पुन: भर्ती और प्रभावशाली एवं उत्पादक बनने की जरूरत के साथ निरंतर होते बदलाव में, स्लैक, सेल्सफोर्स के साथ गठबंधन में हमारे ग्राहकों को डिजिटल मुख्यालय प्रदान कर रहा है, जहां वो टीम, विभिन्न टाईम ज़ोंस, फिज़िकल जगहों और कंपनियों में हर किसी के साथ संपर्क में रह सकते हैं और सामंजस्य में रहते हुए चुस्तीपूर्वक काम कर सकते हैं। स्लैक ने वार्षिक कॉन्फ्रेंस स्लैक फ्रंटियर्स में स्लैक हडल्स के साथ एक नए कोवर्किंग स्पेस की घोषणा करते हुये कहा कि कंपनियां लचीले काम की इस अनिश्चित दुनिया में आगे बढ़ रही हैं, ऐसे में स्लैक निरंतर इस विचार में लीन है कि डिजिटल मुख्यालय को कौन से नए टूल्स की जरूरत पड़ सकती है। हडल्स में नई कोवर्किंग क्षमताएं टीमों को सहयोग करने और स्लैक छोड़े बिना तेजी से निर्णय लेने या हमारे व्यस्त कैलेंडर में काम करने के प्रभावशाली तरीके प्रदान करती हैं।

रुपया एक पैसा टूटा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर में मजबूती आने के और घरेलू स्तर पर शेयर बाजार की तेजी के बीच आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया एक पैसा टूटकर अब तक रिकार्ड निचले स्तर 78.33 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपया 78.32 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 12 पैसे की मजबूती के साथ 78.20 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 78.35 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक टूटा लेकिन डॉलर की बिकवाली शुरू होने से यह 78.20 रुपये प्रति डॉलर तक चढ़ा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 1 पैसा टूटकर 78.33 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

किचन एप्लायंस बाजार में प्रवेश करना चाहती है क्रॉम्प्टन

नयी दिल्ली। क्रॉम्प्टन न्यू बिज़नेस के उपाध्यक्ष नितेश मिश्रा ने शुक्रवार को कहा कि क्रॉम्प्टन इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र के अपने अनुभव का प्रयोग कर अगले तीन साल में किचन एप्लायंस (रसोई में काम आने वाले उपकरण) बाजार में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाना चाहती है।

श्री माथुर ने क्रॉम्प्टन के किचन एप्लायंस स्टोर के लॉन्च पर कहा,हम उपभोक्ताओं के लिये इलेक्ट्रिकल और लाइटिंग क्षेत्र में पहले ही काम कर रहे थे।

बिजली से चलने वाले पंखों के बाजार में हम 20 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी के साथ पहले ही शीर्ष पर हैं। लाइटिंग बाजार में हमारी हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। इसके अलावा वॉटर हीटर के बाजार में भी हमारी हिस्सेदारी काफी बड़ी है। प्रबंधन ने कंपनी को आगे बढ़ाने के लिये फैसला किया कि किचन एक ऐसा क्षेत्र है जहां हमें प्रवेश करने की ज़रूरत है। माथुर ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में काम करने के कारण क्रॉम्प्टन उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को अच्छी तरह समझता है इसलिये वह किचन संबंधी सेवाएं औरों से बेहतर दे पाएगा। उन्होंने कहा, हमने हाल ही में बटरफ्लाई को भी अपने अधीन ले लिया है जिससे किचन में हमारी उपस्थिति मजबूत हो गयी है। अब चिमनी, गैस हॉब्स, बिल्ट-इन ओवन जैसे बड़े किचन उपकरणों के साथ हमने अपनी उपस्थिति के विस्तार का प्रयास किया है, जिससे हम इस क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। मेरा मानना है कि क्रॉम्प्टन को इस क्षेत्र में सफलता हासिल होगी क्योंकि हमारे पास ऐसे कई कौशल हैं जो बेहतर किचन सेवाएं देने में हमारी सहायता करेंगे। हम हवा, तापन जैसे किचन के कई तत्वों को औरों से बेहतर समझते हैं। श्री माथुर ने कहा,हमने हाल ही में एक सर्वेक्षण किया जिससे हमें पता चला कि उपभोक्ता क्या चाहता है। पिछले कई सालों में चिमनी के बाजार का विस्तार नहीं हुआ है। हमने जब इसकी पड़ताल की तो पता चला कि ऐसी कई चीजें हैं जो उपभोक्ता को चाहिये और कोई भी उन आवश्यकताओं को संबोधित नहीं कर रहा है।

हमने उन्हीं आवश्यकताओं को संबोधित करने का प्रयास किया है। हम अगले तीन सालों में बाजार में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने पर ध्यान दे रहे हैं और हमें विश्वास है कि हम इस लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। उल्लेखनीय है कि क्रॉम्प्टन ने दिल्ली सहित तीन शहरों में अपने बिल्ट-इन किचन एप्लायंस उत्पाद लॉन्च किये हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भी बढ़त के साथ बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग, वित्त और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में भारी खरीददारी से घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 462.26 अंक करीब 0.88 फीसदी ऊपर आकर 52,727.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 644.15 अंक तक उछला था।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 142.60 अंक तकरीबन 0.92 फीसदी बढ़कर 15,699.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे। वहीं, दूसरी ओर टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, विप्रो के शेयर गिरे हैं।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक, चीन का शंघाई कंपोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी बढ़त पर है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी गत दिवस ऊपर आये थे। जानकारों के अनुसार आईटी के अलावा अन्य शेयरों में तेजी से बाजार को बल मिला है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.11 फीसदी बढ़कर 11.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पंहुच गया। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी है।

सोने , चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 70 रुपये नीचे आकर 50,557 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,627 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी की कीमत भी 621 रुपये नीचे आकर 59,077 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गयी हैं। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का भाव 59,698 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दिल्ली सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमतों में 70 रुपये की गिरावट दर्ज की गयी है।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,828 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। दूसरी ओर कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत में 0.33 फीसदी का उछाल आया जबकि चांदी 20.97 डॉलर प्रति औंस पर बनी है।

जेट एयरवेज ने परिचालन नियुक्तियां शुरू कीं

नई दिल्ली । विमानन कंपनी जेट एयरवेज ने शुक्रवार को परिचालन नियुक्तियां शुरू कीं और अपने केबिन क्रू के पूर्व सदस्यों को एयरलाइन में लौटने को कहा। विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 20 मई को एयरलाइन को वाणिज्यिक हवाई परिचालन बहाल करने की इजाजत दी थी। एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव कपूर ने ट्वीट किया` कि हमारी परिचालन नियुक्तियां शुरू हो गई हैं जिसमें हमने जेट के पूर्व कर्मियों को वापस बुलाया है। आने वाले दिनों में पायलट और इंजीनियरों की नियुक्तियां शुरू करेंगे। एयरलाइन का वाणिज्यिक हवाई परिचालन जुलाई-सितंबर तिमाही में शुरू हो सकता है। फिलहाल एयरलाइन ने केवल महिला क्रू सदस्यों को ही वापस बुलाया है।

बैंक यूनियनों की 27 जून को होने वाली हड़ताल टली

मुंबई । बैंक यूनियनों ने 27 जून सोमवार को अपनी मांगों को लेकर 27 जून को कामकाज ठप करने की योजना बनाई थी लेकिन इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) इन मांगों पर विचार करने के लिए तैयार है जिसके बाद हड़ताल को टाल दिया गया है। यूनियनों का कहना है कि वे अपनी मांगों पर बातचीत के लिए बैठेंगे और वार्ता के जरिए मामला सुलझाने पर ध्यान दिया जाएगा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीए) में 9 बैंकों के अलग-अलग यूनियन शामिल हैं जो हड़ताल करने वाले थे। हफ्ते में 5 दिन काम और पेंशन जैसी मांगों को लेकर हड़ताल बुलाई गई थी। बैंकों के कर्मचारी नेशनल पेंशन स्कीम को हटाकर ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल करना चाहते हैं। बातचीत के लिए आईबीए और बैंकिंग संगठनों के बीच एक समझौता हुआ है। समझौते के मुताबिक 1 जुलाई को बैंक संगठनों की अलग-अलग मांगों पर वार्ता होगी। इसकी जानकारी एआईबीईए के जनरल सेक्रेटरी सीएच वेंकटचलम ने दी और कहा कि मांगों को लेकर चीफ लेबर कमिश्नर की अध्यक्षता में वार्ता शुरू की जाएगी। बैंक संगठनों और यूनियनों ने सभी पेंशनर्स के पेंशन में बदलाव करने की मांग की है। बैंकों का संगठन नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) में शामिल नहीं होना चाहता और ये ओल्ड पेंशन स्कीम में फिर से बहाल होना चाहते हैं। संगठनों की मांग है कि सभी बैंकिंग कर्मचारियों को पुराने पेंशन सिस्टम से पेंशन दी जाए और एनपीएस को खत्म कर दिया जाए। बैंकों में काम करने वाले कर्मचारी हफ्ते में 5 दिन काम और दो दिन की छुट्टी चाहते हैं। इस बात को लेकर भी पहले से विरोध चल रहा है।

सीबीआई ने रेवा स्केन्स के दिल्ली में पांच स्थानों पर तलाशी ली

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की एक पैकेजिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में शुक्रवार को दिल्ली में पांच स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस कंपनी के खिलाफ बैंकों के संघ से कथित तौर पर 69.33 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इंडियन ओवरसीज बैंक की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। इसमें बैंक ने आरोप लगाया कि कंपनी के वित्त में गंभीर अनियमितताएं हैं मसलन धन की हेराफेरी, बहीखातों में गड़बड़ी और जालसाजी तथा ऐसा करके कंपनी ने 2011 से 2016 के बीच बैंकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने कंपनी के पूर्व निदेशकों से जुड़े दिल्ली स्थित परिसरों पर छापेमारी की।

हीरो मोटोकॉर्प 1 जुलाई से बढ़ाएगी बाइक की कीमत

मुंबई । देश की प्रमुख टू-व्हीलर बनाने वाली दिग्गज कंपनी हीरो मोटोकॉर्प 1 जुलाई से मोटरसाइकिलों और स्कूटरों की कीमत में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल और दूसरी कमोडिटीज की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से कंपनी की उत्पादन लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ी उत्पादन लागत की भरपाई के लिए कंपनी को उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का फैसला लिया गया है। एक रेग्यूलेटरी फाइलिंग में कंपनी ने कहा है कि कीमतों में की जाने वाली बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और बाजार को लिए अलग-अलग हो सकती है। हाल के दिनों में कमोडिटी और कच्चे माल की कीमतों में भारी बढ़त हुई है जिसकों देखते हुई कीमतें बढ़ाना बहुत जरूरी हो गया था। हीरो मोटोकॉर्प कई तरह के मॉडल बेचती है, जिसमें एंट्री-लेवल एचएफ100 से लेकर एक्सपल्स 200 4वी जैसी बाइक्स शामिल हैं। इससे पहले कंपनी ने इस साल अप्रैल में भी वाहनों की कीमत में बढ़ोतरी कर दी थी, तब हर रेंज की बाइक्स और स्कूटर की कीमतों में 2000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई थी। कीमतों में इजाफा होने के बाद कंपनी की` बिक्री पर कितना असर पड़ेगा, इसकी जानकारी जुलाई महीने में कंपनी की सेल्स रिपोर्ट में पता चल जाएगा। इस समय कंपनी के पास एंट्री लेवल बाइक्स से लेकर प्रीमियम पावरफुल इंजन वाली बाइक्स भी मौजूद हैं।

बिना ब्रांड के खाद्यान्नों को जीएसटी मुक्त रखने की मांग

- पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे देश के 130 करोड़ लोगों पर पड़ेगा भार

नई दिल्ली । कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जीएसटी पर गठित मंत्रियों के समूह द्वारा दी गई सिफारिशों को जीएसटी काउन्सिल की 28-29 जून को चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में लागू न करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि इन्हें लागू करने से पहले पहले व्यापारियों से सलाह की जाना चाहिए। कैट ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन से कहा है बिना ब्रांड वाले खाद्यान्न को कर से मुक्त रखा जाए और इसको 5 फीसदी के कर दायरे में न लाया जाए जिसकी सिफ़ारिश समिति ने की है। टेक्सटाइल और फुटवियर को 5 प्रतिशत के कर स्लैब में ही रखा जाए। रोटी, कपड़ा और मकान आम जरूरतों की वस्तुएं हैं और अगर इन पर टैक्स लगाया गया तो इसका सीधा भार देश के 130 करोड़ लोगों पर पड़ेगा जो पहले ही महंगाई की मार झेल रहे हैं. आम आदमी की आमदनी कम हो रही है जबकि खर्च दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है.

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि जब हर महीने जीएसटी राजस्व के आंकड़े में वृद्धि हो रही है ऐसे में किसी भी वस्तु कर अधिक जीएसटी लगाने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में यह जरूरी है कि जीएसटी कर कानूनों और नियमों की नए सिरे से दोबारा समीक्षा हो और जहां कानून और नियमों में बदलाव हो वहीं कर दरों में विसंगतियों को समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि मंत्रियों के समूह ने अनेक वस्तुओं को जीएसटी में प्राप्त छूटों को समाप्त करने तथा अनेक वस्तुओं की कर की दरों में वृद्धि करने की सिफ़ारिश एकतरफ़ा हैं क्योंकि उन्होंने केवल राज्य सरकारों का पक्ष ही जाना है और व्यापारियों से इस मामले पर कोई चर्चा तक नहीं की गई है। कोई भी एकतरफा फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस के विरुद्ध होगा।

बड़ी मात्रा में अनेक वस्तुएं ऐसी हैं जो उचित कर दर के स्लैब में नहीं हैं। कुछ ज्‍यादा कर दरों में हैं तो कुछ वस्तुओं पर विभिन्न राज्यों में कर दर अलग अलग है। जो जीएसटी के एक देश, एक कर के मूल सिद्धांत के विपरीत हैं। इस दृष्टि से यदि व्यापारियों से बात चीत कर कर दर तय की जाएंगी तो जहां कर का दायरा विकसित होगा वहीं केंद्र और राज्य सरकारों के राजस्व में और अधिक वृद्धि होगी जिसको करने के लिए देश भर के व्यापारी संगठन केंद्र और राज्य सरकारों में साथ हाथ मिलाकर काम करने को तैयार हैं।

सैमसंग ने 200 मेगापिक्सल का नया सेंसर लांच किया

नई दिल्ली । स्मार्टफोन के कैमरों में हर साल मेगापिक्सल बढ़ते जा रहे हैं। 108 मेगापिक्सल तक के कैमरा लेंस के बाद सैमसंग ने 200 मेगापिक्सल का नया सेंसर लांच किया है। ब्रांड ने कई अपेडट्स के साथ 200 मेगापिक्सल का ईसोसेल एचपी 3 सेंसर लांच किया है। इस हिसाब से दिन-ब-दिन स्मार्टफोन कैमरा टेक्नोलॉजी में बदलाव हो रहा है। वहां दिन दूर नहीं जब आपके हाथ में फोन नहीं डीएसएलआर वाला फोन है। वैसे इस तरह के वादे अभी ही कई ब्रांड्स अपने फोन कैमरा में करते हैं। मगर डीएसएलआर जैसी क्लीन और क्लीयर क्वालिटी के लिए आपको कुछ सालों का इंतजार करना होगा। सैमसंग का नया सेंसर ईसोसेल एचपी 3 कई मायनों में ईसोसेल एचपी 1 से बेहतर है। जहां ईसोसेल एचपी 1 में आपको 0.64यूएम का पिक्सल मिलता था, वहीं एचपी 3 में इसका साइज और भी छोटा हो गया है। इसमें आपको 0.56यूएम का पिक्सल मिलेगा। आसान भाषा में कहें तब लेटेस्ट कैमरा सेंसर में आपको पिछले के मुकाबले हाई रेज्योलूशन की फोटो मिलेगी। साथ ही कंपनी एक नई टेक्नोलॉजी लेकर आ रही है, जिसे ईपीक रेज्योलूशन प्रो नाम दिया गया है। इसमें आप स्मार्टफोन से प्रोफेशनल लेवल की हाई रेज्योलूशन फोटो क्लिक कर सकते हैं। नए ईसोसेल एचपी 3 में पुराने के मुकाबले 12 प्रतिशत छोटा पिक्सल साइज मिलता है। साथ ही नए सेंसर का मॉड्यूल सरफेस एरिया भी कम होगा। बता दें कि सैमसंग के नए कैमरा सेंसर में 30 फ्रेम्स पर सेकेंड पर 8के रेज्योलूशन और 120 एफपीएस पर 4के रेज्यूलोशन की रिकॉर्डिंग होती है। इसके अलावा सैमसंग सेंसर में ट्रेट टूपिक्स टेक्नोलॉजी मिलती है। दरअसल, टेक्नोलॉजी की बदौलत स्मार्टफोन का कैमरा चार पिक्सल को एक में जोड़ता है, जिससे लो लाइट में में बेहतर फोटो मिलती है। नया कैमरा सेंसर 16 पिक्सल को एक में जोड़ता है। यानी नाइट फोटोग्राफी में यह सेंसर आपको ज्यादा बेहतर लाइट और परफॉर्मेंस ऑफर करेगा। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं है किस फोन में सैमसंग का यह सेंसर मिलेगा।

रुपया 78.33 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया गिरा है। डॉलर के मुकाबले रुपया एक पैसे की हल्की गिरावट के साथ ही 78.33 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 78.20 पर खुला और कारोबार के अंत में एक पैसे की गिरावट के साथ ही 78.33 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 78.19 के उच्च स्तर और 78.35 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 78.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 104.17 पहुंच गया जबकि वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.13 फीसदी बढ़कर 111.29 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

मेजबान भारत अपने पहले मैच में भुवनेश्वर में अमेरिका से भिड़ेगा

नवी मुंबई। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप इंडिया 2022 के लिए आधिकारिक ड्रा 24 जून को आयोजित किया गया। इस ड्रा के माध्यम से यह निकलकर सामने आया कि मेजबान भारत को ग्रुप-ए में रखा गया। भारतीय टीम भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में अपने पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका से भिड़ेगी। इसके बाद भारत को मोरक्को और ब्राजील के खिलाफ खेलना है। प्रत्येक फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप में भाग लेने के अपने रिकॉर्ड को बरकरार रखने वाली जर्मनी की टीम को नाइजीरिया, चिली और टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण के मेजबान न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया था।

इस बीच, गत चैंपियन स्पेन को कोलंबिया, मैक्सिको और चाइना पीआर के साथ ग्रुप-सी में रखा गया है।

साल 2014 कोस्टा रिका में आयोजित विश्व कप का खिताब जीतने वाले जापान को तंजानिया, कनाडा और एक अन्य पूर्व चैम्पियन फ्रांस के साथ ग्रुप-डी में रखा गया है।

फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ड्रॉ के दौरान कहा, आज का ड्रा न केवल एक मेजबान राष्ट्र के रूप में बल्कि वैश्विक फुटबॉल समुदाय और भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस टूर्नामेंट के अगले संस्करण को सफल बनाने के लिए कई मेहनती लोग शामिल हैं और यह इस बात का सबूत है कि इस ड्रा और उसके बाद का टूर्नामेंट सुरक्षित रूप से आयोजित होगा।

फीफा अध्यक्ष ने आगे कहा, अब हम इस साल के अंत में भारत में दुनिया भर के 16 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले बेहतरीन युवा खिलाड़ियों की कला को देखने के लिए उत्सुक हैं। इस टूर्नामेंट के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में, अक्टूबर में खेलने वाली महिलाओं के नक्शेकदम पर चलने के लिए कई प्रेरित महिलाएं सामने आएंगी और यह सिलसिला पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहेगा।

आने वाला इवेंट भारत में महिला फुटबॉल के लिए एक महत्वपूर्ण पल होने जा रहा है। इसकी बेहतरीन सफलता को लेकर वादा करते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, अपने पहले फीफा महिला टूर्नामेंट -फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करना हमारे देश के लिए अत्यधिक गर्व और जिम्मेदारी का विषय है।

खेल मंत्री ने जेंडर इनक्लूसिव प्लेइंग फील्ड के अपने दृष्टिकोण के साथ आगे कहा, आधिकारिक ड्रा इस आयोजन में सभी शामिल लोगों के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर है क्योंकि 16 प्रतिभागी राष्ट्र अब जानते हैं कि आने वाले समय में उनका सामना किससे होना है और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को जीतने की राह में वे इसी को ध्यान में रखकर तैयारी करेंगे। मैं हमारे सुंदर और जीवंत राष्ट्र में सभी टीमों का स्वागत करता हूं। जब आप भारत आते हैं तो आप दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

ठाकुर ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा यह हमारे देश में महिलाओं से जुड़े खेलों के लिहाज से एक विशेष टूर्नामेंट है क्योंकि हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह आयोजन अधिक से अधिक युवा महिलाओं को खेलों को एक लिंग-समावेशी खेल का मैदान बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

18 अक्टूबर को ग्रुप मैचों के समापन के बाद प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। नवी मुंबई 21 अक्टूबर को डबल हेडर नॉकआउट की मेजबानी करेगा, जहां ग्रुप-ए का विजेता ग्रुप-बी के उपविजेता का सामना करेगा और फिर ग्रुप-बी का विजेता ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगा।

बाकी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले अगले दिन होंगे। इसमें ग्रुप-सी और डी में क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर आने वाली टीमें 26 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल के लिए गोवा में ही बने रहने का अधिकार हासिल करने के लिए एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

बाद में सभी चार टीमें तीसरे स्थान के लिए होने वाले मैच के अलावा 30 अक्टूबर को होने वाले भारत के पहले फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप फाइनल मैच के लिए नवी मुंबई जाएंगी।

शार्ट न्यूज

लीसेस्टरशायर में टीम इंडिया से जुड़े अश्विन

लेस्टर। भारतीय टीम के लिए अच्छी ख़बर है कि कोविड 19 से उबरने के बाद ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन लीसेस्टरशायर में टीम इंडिया से जुड़ गए हैं। हालांकि लीसेस्टरशायर के ख़िलाफ़ गुरुवार से शुरू हुए अभ्यास मैच में वह नहीं खेल रहे हैं। पिछले सप्ताह अश्विन भारतीय टीम के अन्य सदस्यों के साथ इंग्लैंड के लिए उड़ान नहीं भर पाए थे, क्योंकि वह कोविड 19 पॉज़िटिव पाए गए थे। गुरुवार की सुबह उन्हें टीम के साथ सफ़ेद किट में देखा गया लेकिन उनका नाम किसी भी टीम शीट में नहीं था। यह मैच प्रति टीम 13 सदस्यों के बीच खेला जा रहा है। अश्विन के पास इंग्लैंड में खेलने का अच्छा अनुभव है, जिससे भारतीय कैंप उनके टीम से जुड़ने से खुश होगा। वह दो क्लबों के लिए काउंटी क्रिकेट भी खेल चुके हैं। अश्विन अभी आईसीसी की गेंदबाज़ों की टेस्ट रैंकिंग में नंबर दो और हरफ़नमौला की रैंकिंग में नंबर तीन पर बने हुए हैं। वह पटौदी ट्रॉफ़ी के पिछले साल खेले गए चार टेस्ट मैचों के दौरान टीम का हिस्सा थे लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। एजबेस्टन में एक जुलाई से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट में अगर परिस्थितियां दो स्पिनरों के मुफ़ीद हुई तो अश्विन टीम में जगह बनाने के बड़े दावेदार हो सकते हैं। नॉटिंघमशायर और वॉसेस्टरशायर के लिए उनके काउंटी आंकड़े प्रभावी हैं, जहां उन्होंने 25.32 के औसत से 61 विकेट लिए हैं और क़रीब 37 के औसत से 553 रन बनाए हैं।

छात्र योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल कालेज में 18 दिवसीय योगाभ्यास कार्यक्रम प्राचार्य रवि नारायण कार की देखरेख में चल रहा है ।21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम के अवसर पर प्रो. कार ने उपस्थित शिक्षको व विद्यार्थियों को मानवता के लिए योग का परिचय करवाया। योग कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने विद्यार्थियों को योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया । इस कार्यक्रम में मां रतनी सोसाइटी की भी भागीदारी है। इस एनजीओ के अध्यक्ष डॉ राजीव चौधरी योग को बढ़ावा देने में भरपूर योगदान देते रहे हैं। योगा शिक्षिका डॉ सुनिता पूनिया ने विभिन्न योगासनों के महत्त्व को समझाया ओर इस बात पर जोर दिया कि हम कैसे नित्य 1-2 घंटे योग करके विभिन्न प्रकार की बीमारियों से अपने आप को दूर रख सकते है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 160 पर समेटा

कोलम्बो। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज गंवाने के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से शानदार वापसी करते हुए श्रीलंका को पांचवें और आखिरी वनडे में शुक्रवार को 43.1 ओवर में 160 रन पर समेट दिया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन आठवें नंबर के बल्लेबाज चमिका करुणारत्ने और कुछ हद तक कुशल मेंडिस को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज विकेट पर नहीं टिक पाया। करुणारत्ने ने 75 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 75 रन बनाये जबकि मेंडिस ने 40 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 26 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड, मैथ्यू कुनमन और पेट कमिंस ने दो-दो विकेट लिए।

बुमराह की गेंद पर रोहित शर्मा हुए चोटिल

लेस्टर। टीम इंडिया और इंग्लिश क्लब लीसेस्टरशायर के बीच चार दिनों के अभ्यास मैच में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तेज गेंद पर कप्तान रोहित शर्मा घायल हो गए। इस अभ्यास मैच ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, चेतेश्वर पुजारा और प्रसिद्ध कृष्णा लीसेस्टरशायर की तरफ से खेल रहे हैं। मैच में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा का सामना जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी से हुआ। इसी दौरान बुमराह की एक घातक गेंद रोहित शर्मा के पेट में जा लगी। इस घटना का वीडियो काफी वायरल हो रहा है। रोहित इस मैच की पहली पारी में कुछ ज्यादा खास प्रदर्शन नहीं कर सके। रोहित ने पहली पारी में 47 गेंदों का सामना करते हुए 25 रन की पारी खेली। रोहित शर्मा वॉकर की गेंद पर कैच आउट हुए।

वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ वनडे और टी20 सीरीज़ से सैफ़ुद्दीन और यासिर अली बाहर

ढाका। गेंदबाज़ी ऑलराउंडर मोहम्मद सैफ़ुद्दीन, बांग्लादेश के वेस्टइंडीज़ दौरे से बाहर हो गए हैं। पीठ की चोट से उबरने के बाद सैफ़ुद्दीन को गेंदबाज़ी करने के लिए पर्याप्त रूप से फ़िट नहीं माना गया। वहीं यासिर अली भी अपना रिहैब शुरू नहीं कर पाए हैं, जिसके कारण वह इस सीरीज़ से बाहर हैं। चयनकर्ता तमीम इक़बाल, नजमुल हुसैन, मेहदी हसन मिराज और इबादत हुसैन में से किन्हीं दो खिलाड़ियों को टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए बोल सकते हैं। फ़िलहाल ये खिलाड़ी वनडे टीम में पहले से ही चयनित हैं। इस दौरे में बांग्लादेश के लिए चोटिल खिलाड़ियों की संख्या तीन तक पहुंच गई है, क्योंकि तेज़ गेंदबाज़ शोहिदुल इस्लाम पहले ही टेस्ट और टी20 से बाहर हैं। उन्हें प्रशिक्षण के दौरान एक साइड स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था। सैफ़ुद्दीन ने पिछले कुछ हफ़्तों के दौरान ढाका में सफेद गेंद के विशेषज्ञों के साथ प्रशिक्षण लिया। हालांकि उनकी गेंदबाज़ी फ़िटनेस को अपर्याप्त माना गया था। इस बीच यासिर को भी पीठ की चोट के कारण स्वदेश लौटना पड़ा। बीसीबी के मुख्य खेल चिकित्सक देबाशीष चौधरी ने कहा, सैफ़ुद्दीन प्रशिक्षण ले रहे हैं लेकिन हमें लगता है कि फ़िलहाल वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की तीव्रता से निपटने के लिए आवश्यक गेंदबाज़ी फ़िटनेस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं। वह वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ खेली जाने वाली सीरीज़ में टीम का हिस्सा नहीं रहेंगे। साथ ही वह अपना रिहैब जारी रखेंगे और अपनी फ़िटनेस पर काम करेंगे।

भारत के ख़िलाफ़ सफ़ेद गेंद की सीरीज़ नहीं खेलेंगे राशिद

लंदन। आदिल राशिद भारत के ख़िलाफ़ इंग्लैंड की सफेद गेंद की श्रृंखला और यॉर्कशायर की तरफ़ से टी 20 ब्लास्ट के कुछ मैच नहीं खेलेंगे। उस दौरान वह हज यात्रा पर जाएंगे। राशिद मुस्लिम समुदाय से हैं और उन्होंने इस साल की शुरुआत में फ़ैसला किया था कि वह तीर्थ यात्रा पर जाएंगे। इसके लिए उन्होंने छुट्टी मांगी थी, जिसे ईसीबी और यॉर्कशायर ने मान लिया है। वह शनिवार को मध्य पूर्व के लिए उड़ान भरेंगे। उम्मीद है कि राशिद अपने तीर्थ यात्रा से जुलाई के मध्य तक लौट आएंगे। सभी वयस्क मुसलमानों से अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार तीर्थ यात्रा करने की अपेक्षा की जाती है। अगर वे शारीरिक रूप से सक्षम हैं और उनके पास वित्तीय साधन हैं तो वह इस तीर्थ यात्रा पर कम से कम एक बार जा सकते हैं। राशिद ने कहा, मैं पिछले कुछ समय से तीर्थ यात्रा पर जाना चाह रहा था लेकिन व्यस्त रहने के कारण इसके लिए समय निकालना मुश्किल हो रहा था। नीदरलैंड के ख़िलाफ़ 3-0 वनडे श्रृंखला में मिली जीत के बाद राशिद ने कहा, मैंने इसके बारे में ईसीबी और यॉर्कशायर से बात की और उन्होंने मेरे आग्रह को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि आप जो भी करना चाहते हैं करें और जब यह पूरा हो जाए तो वापस आ जाएं।

जेमिमाह ने रोहित और पंत से ली थी सलाह

दाम्बुला। जेमिमाह रोड्रिग्स ने पिछले दो सालों में मिला-जुला प्रदर्शन किया है। पिछले साल इंग्लैंड में वनडे और टी20 सीरीज़ के दौरान बैंच पर बैठाया गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ भी उन्हें मौक़ा नहीं दिया गया। महिला हंड्रेड और बीबीएल में बढ़िया प्रदर्शन के बावजूद उन्हें वनडे विश्व कप में खेलने का मौक़ा नहीं मिला। हालांकि जेमिमाह ने सुर्ख़ियों से दूर रहते हुए कड़ी मेहनत करना जारी रखा। उन्होंने सीनियर महिला टी20 ट्रॉफ़ी के छह मैचों में 60.75 के औसत और 167.58 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने महिला टी20 चैलेंज़ में आकर्षक प्रदर्शन किया। अक्तूबर 2021 के बाद अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रही जेमिमाह ने श्रीलंका के ख़िलाफ़ पहले टी20 में 27 गेंदों में 36 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में एक अहम भूमिका निभाई। प्लेयर ऑफ़ द मैच बनने के बाद जेमिमाह ने कहा, मेरी लंबाई वही है, लेकिन मानसिक चीज़ें बहुत बदल गई हैं।

केजरीवाल ने 60 खिलाड़ियों को सौंपा सहायता राशि का चेक

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मिशन एक्सीलेंस स्कीम के तहत 60 खिलाड़ियों को करीब चार करोड़ रुपए का चेक सौंपते हुए शुक्रवार को कहा कि हमारा सपना है कि जितने मेडल चीन और अमेरिका लेकर आते हैं, हमें उससे ज्यादा मेडल लेकर आना है। केजरीवाल ने कहा कि हम प्रतिभावान खिलाड़ियों को पैसे की कमी नहीं होने देंगे। हमें देश का नाम रौशन करना है। दिल्ली सरकार ने 'मिशन एक्सीलेंस स्कीम' के तहत जिन खिलाड़ियों को आर्थिक मदद दी थी, वे ओलंपिक से भारत के लिए मेडल लेकर आएं ।इसी के तहत आज मैंने 60 और खिलाड़ियों को चेक सौंपा। मुझे उम्मीद है कि इससे उन्हें अपनी ट्रेनिंग और डाइट में मदद मिलेगी। वो आगे बढ़ेंगे और देश को और मेडल दिलाएंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे स्पोर्ट सिस्टम में गरीब खिलाड़ियों को मदद का अभाव, खेल सुविधाओं की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप समेत तीन कमियां महसूस होती है। देश में यह जो कमियां हैं, हम उनको दिल्ली में दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। हम मिशन एक्सीलेंस के तहत गरीब खिलाड़ियों की मदद कर रहे हैं। दिल्ली में जगह-जगह अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहे हैं और खिलाड़ियों के चयन में राजनीतिक हस्तक्षेप खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम सब लोग जानते हैं कि एक खिलाड़ी जब पहला मेडल लेकर आता है, तो उसे पहले मेडल तक बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। उसको कहीं से सहारा नहीं मिलता है। घर से भी दुत्कार मिलती है। माता-पिता भी पढ़ने को बोलते हैं। कहते हैं कि खेलने से क्या होगा ? कोई सरकारें भी इन खिलाड़ियों की कोई मदद नहीं करती हैं। उनको किसी किस्म का कोई स्ट्रक्चर नहीं मिलता है। हमारे देश मे जितने भी खिलाड़ी है, जिन्होंने बिना मदद के मेडल लाए, उनके संघर्ष को सलाम करता हूं। बिना किसी मदद के इतनी विपरित परिस्थितियो के अंदर वो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम चमका पाए। एक बार जब खिलाड़ी को मेडल मिल जाता है, तो सभी लोग उसके नाम और शोहरत के साथ जुड़ना चाहते हैं।

भारत के आयरलैंड दौरे के लिए प्रायोजक बनी जॉय ई-बाईक

वड़ोदरा। क्रिकेट के साथ अपने लम्बे रिश्ते को और अधिक मजबूत बनाते हुए इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के ब्राण्ड जॉय ई-बाईक की अग्रणी ऑटो-निर्माता कंपनी वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड इंडिया टूर ऑफ आयरलैण्ड 2022 की ऑफिशियल पावर्ड बाय स्पॉन्सर बन गयी है।

भारत और आयरलैण्ड 26-28 जून 2022 को डबलिन में मलाहाईड क्रिकेट क्लब ग्राउण्ड में टी20 सीरीज़ के दो मैच खेलेंगे।

इस साझेदारी के तहत जॉय ई-बाईक 'जॉय ई-बाईक इलेक्ट्रिफाइंग पावर्ड बाय' मैन ऑफ द सीरीज़ का अवार्ड देगी, इसके बाद दोनों मैचों के लिए जॉय ई-बाईक इलेक्ट्रिफाइंग सुपर6 अवॉर्ड दिए जाएंगे।

इसके अलावा, जॉय ई-बाईक के लोगो भी डिजिटल स्क्रीन्स, बैकड्रॉप्स एवं प्लाकार्ड्स पर दिखाई देंगे, जिससे स्पोर्टिंग स्पेस में कंपनी की स्थिति और मजबूत होगी।

जॉय ई-बाईक क्रिकेट के रोमांच का पर्याय बन चुकी है और इससे पहले भी क्रिकेट के कई आयोजनों एवं टीमों के साथ जुड़ी रही है, इसने देश भर में खेल को अभूतपूर्व समर्थन प्रदान किया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2021) सीज़न के लिए जॉय ई-बाईक चेन्नई सुपर किंग्स की ऑफिशियल ईवी पार्टनर थी।

इस उल्लेखनीय साझेदारी के बारे में बात करते हुए यतिन गुप्ते, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एण्ड मोबिलिटी लिमिटेड ने कहा, ''वार्डविज़र्ड एक ऐसा ब्राण्ड है जो हमेशा से खेल एवं क्रिकेट की भावना को समर्थन देता रहा है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि भारत में क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, बल्कि लाखों लोगों के साथ जुड़ी भावना है जो पूरे देश को प्रेरित करती है, एक दूसरे के साथ जोड़ती है।

खेल के प्रति हमारी इसी भावना के साथ, हमें खुशी है कि हमें आगामी 'इंडिया टूर ऑफ आयरलैण्ड 2022' के मुख्य स्पॉन्सर्स में से एक- जॉय ई-बाईक पावर्ड बाय' स्पॉन्सरशिप के रूप में 'आयरिश क्रिकेट युनियन कंपनी लिमिटेड' के साथ जुड़ने का मौका मिला है। यह साझेदारी वार्डविज़र्ड की ग्लोबल ब्राण्ड बिल्डिंग के मद्देनज़र बेहद महत्वपूर्ण है जिससे सीमा पार भी ब्राण्ड की पारदर्शिता बढ़ेगी। टूर्नामेन्ट के तहत दो मैच खेले जाएंगे, हमें उम्मीद है कि ये मैच बेहद रोचक और मज़ेदार होने वाले हैं। हम सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हैं।

इस मौके पर वारेन ड्युट्रोम, चीफ़ एक्ज़क्टिव ऑफिसर, क्रिकेट आयरलैण्ड ने कहा, ''हमें खुशी है कि इलेक्ट्रिक दोपहिया सेगमेन्ट में अग्रणी जॉय ई-बाईक इस मैच सीरीज़ के लिए 'पावर्ड बाय-स्पॉन्सर' के रूप में हमसे जुड़ा है।

इससे पहले भी जॉय ई-बाईक घरेलू स्तर पर क्रिकेट आयोजनों को अपना समर्थन देता रहा है। उम्मीद करते हैं कि आने वाले समय में भी दुनिया भर में होने वाले क्रिकेट आयोजनों के लिए हमें उनका समर्थन मिलता रहेगा। इस सीरीज़ में दो टी20 मैच होंगे जिसमें हार्दिक पंडया और भुवनेश्वर कुमार भारतीय टीम के कप्तान एवं उप-कप्तान होंगे।

पाई-पाई को परेशान पाकिस्तान ने अब अमीरों पर लगाया 10 पर्सेंट 'सुपर टैक्स', अर्थव्यवस्था चलाना मुश्किल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हालात दिन-ब-दिन मुश्किल होते जा रहे हैं। अब यहां पर अर्थव्यवस्था चलाना मुश्किल हो रहा है। इसके लिए सरकार तरह-तरह के इंतजाम करने में जुटी है। इसी के तहत प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को ऐलान किया कि अब वह अमीरों पर 10 फीसदी सुपर टैक्स लगाएगी। इसके अलावा लार्ज स्केल इंडस्ट्रीज को भी सुपर टैक्स के दायरे में रखा गया है।

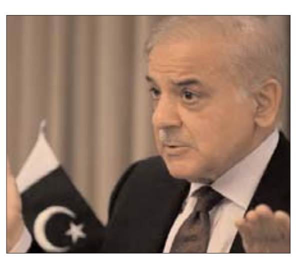

ऐसे देना होगा टैक्स

सुपर टैक्स के दायरे में आने वाले अमीरों पर उनकी कमाई के हिसाब से टैक्स लगाया जाएगा। जिनकी सालाना कमाई 150 मिलियन से ज्यादा है उनके ऊपर 1 परसेंट, 200 मिलियन से ऊपर की कमाई वालों पर 2 परसेंट, 250 मिलियन से ज्यादा की कमाई वालों पर 3 परसेंट और साल भर में 300 मिलियन से ज्यादा कमाने वालों पर 4 फीसदी का टैक्स लगाया जाएगा। बहुत ज्यादा कमाई वाले व्यक्तियों के साथ-साथ कई इंडस्ट्रीज को भी लाया गया है। इन इंडस्ट्रीज में सीमेंट, स्टील, शुगर, तेल व गैस, फर्टिलाइजर, एलएनजी टर्मिनल्स, टेक्सटाइल्स, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, सिगरेट, मादक पदार्थ, केमिकल्स, एयरलाइंस आदि शामिल हैं।

स्टॉक एक्सचेंज में गिरावट

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का यह ऐलान उस वक्त हुआ है जब यहां के स्टॉक एक्सचेंज में भारी गिरावट आई है। यहां के केएसई-100 इंडेक्स में 2053 प्वॉइंट की तेज गिरावट आई है। शाहबाज शरीफ के ऐलान के बाद वित्तमंत्री मिफ्ता इस्माइल ने बाद में इसको लेकर ट्विटर पर सफाई जारी की। 10 पर्सेंट सुपर टैक्स उन्होंने कहा कि यह वन टाइम टैक्स होगा, जो पिछले चार बजट घाटों के बाद उठाया गया है। उन्होंने लिखा कि 4 परसेंट का सुपर टैक्स सभी सेक्टर्स पर लागू होगा। लेकिन 13 सेक्टर्स पर छह फीसदी और यानी कुल 10 फीसदी का सुपर टैक्स लगेगा। इस तरह से इनका टैक्स रेट 29 फीसदी से बढ़कर 39 फीसदी हो जाएगा। संसद में बजट सत्र के आखिर दिन प्रधानमंत्री ने इसे एक कड़ा निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि देश को गंभीर संकट से बचाने के लिए गठबंधन सरकार ने यह साहसी फैसला लिया है।

हमने कठिन विकल्प चुना

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सरकार सत्ता में आई थी, तब उसके पास दो विकल्प थे। या तो वह फिर से चुनाव कराती या फिर कठोर फैसले लेकर देश के आर्थिक हालात को सही करती। उन्होंने कहा कि यह बेहद आसान था कि लोगों को परेशानी में छोड़ दिया जाए और दूसरों की तरह मूक दर्शक बनकर तमाशा देखा जाए। उन्होंने कहा कि कठिन हालात होने के बावजूद सरकार ने कठोर कदम उठाने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि देश ने अधिक मुश्किलों का सामना किया है। हमेशा गरीबों ने कुर्बानी दी है। आज यह समय है कि सक्षम लोग भी देश के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाएं। अब उनकी बारी है कि वह नि: स्वार्थ भाव से सामने आएं।

भारत-अफगानिस्तान संबंधों में पाकिस्तान बन सकता है रोड़ा

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान तालिबान के साथ द्विपक्षीय संबंधों की शुरुआत की है लेकिन पाकिस्तान को यह खटकने लगा है। पाकिस्तान भारत-अफगानिस्तान संबंधों को कमजोर करने के लिए बड़े स्तर पर प्रोपगेंडा पर काम कर रहा है। हिन्दुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के डिप्लोमैट्स के मुताबिक इस्लामाबाद ने अपने राजनयिक मिशनों को एंटी इंडिया नैरेटिव पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है।

पाकिस्तान ने मनमुताबिक इतिहास कुरेदना शुरू किया

पाकिस्तान ने अपने मिशनों से यह कहा है कि अफगानिस्तान सहित संबंधित देशों को यह याद दिलाया जाए कि भारत ने इतिहास में तथाकथित सरकारों का समर्थन करते हुए तालिबान का खुलकर विरोध किया है और उसे प्रॉक्सी आतंकी गुट कहा है। इसके साथ ही इन चीजों पर भी फोकस किया जाए कि भारत अफगानिस्तान में प्रभाव बनाकर पाकिस्तान को असंतुलित करना चाहता है।

भारत और अफगानिस्तान संबंध

भारत और अफगानिस्तान के बीच सभ्यतागत संबंध हैं।9/11 हमले के बाद भारत ने अमेरिका के कहने के बाद भी अफगानिस्तान में सेना भेजने से इनकार कर दिया है। भारत सालों से अफगानिस्तान के विकास के लिए काम कर रहा है। भारत ने अफगानिस्तान में कई स्कूल, सड़क, अस्पताल, बांध सहित कई इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े प्रोजेक्ट्स को पूरा किया है। करीब 10 महीने से काबुल स्थित भारतीय एंबेसी बंद होने के बावजूद भारत ने अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय मदद की है।

भूकंप के बाद सबसे पहले भारत ने की मदद

22 जून को अफगानिस्तान में आए भूकंप के बाद भारत ने प्रभावितों के मानवीय सहायता के लिए एक भारी-भरकम IL-76 विमान भेजा है। भारत इतने बड़े स्तर पर मदद करने वाला एकमात्र देश है। भारत ने लगातार अफगानिस्तान के लोगों के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है। यही बातें पाकिस्तान को खटक रही है कि भारत क्यों अफगानिस्तान में फिर से एक्टिव हो रहा है।

हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट बताती है कि इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी कि कर्ते परवान गुरुद्वारा में हुए हमले के पीछे पाकिस्तान हो। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट खोरासन ने ली है जिसके 50 फीसद से अधिक कैडर पाकिस्तान के रावलपिंडी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

पाकिस्तान नहीं चाहता अफगानिस्तान और भारत के बीच बेहतर रिश्ते

5 जून को अफगानिस्तान तालिबान के रक्षा मंत्री ने माना था कि अफगान सैनिकों की भारत में ट्रेनिंग पाकिस्तान को पसंद नहीं है। इससे पहले भी तालिबान ने कश्मीर को लेकर भड़काऊ बयान थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान को जब तक एक रणनीतिक स्थान के तौर पर बनाए रखता है और अफगानिस्तान तालिबान इसकी मंजूरी देता है तो यह अफगानिस्तान के आम लोगों के लिए सबसे अधिक नुकसानदेह साबित होगा।

मोल्दोवा अधिक यूरोपीय होना चाहता है : रूस

मास्को। रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को कहा कि मोल्दोवा खुद को अधिक यूरोपीय बनना चाहता है और रूस विरोधी स्थिति के ब्लॉक से जुड़ना चाहता है। यूरोपीय संघ के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों ने गुरुवार को यूक्रेन और मोल्दोवा को संघ में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों का दर्जा देने को मंजूरी दे दी। श्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा,हम उदाहरण के लिए देखते हैं कि मोल्दोवा जो खुद यूरोपीय लोगों की तुलना में अधिक यूरोपीय बनना चाहता है। यह कुछ उपाय करने की कोशिश कर रहा है और कई मामलों में इसकी उम्मीदवार की स्थिति रूसी विरोधी रुख से जुड़ी है। यह सोचता है कि यह जितना अधिक रूसी विरोधी होगा, उतना अधिक यूरोपीय लोगों को इसे पसंद करना चाहिए। यूक्रेन और मोल्दोवा को उम्मीदवार का दर्जा देने के ब्रसेल्स के फैसले पर टिप्पणी करते हुए अधिकारी ने कहा कि यह एक आंतरिक यूरोपीय मामला है। पेसकोव ने कहा, यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है कि ये सभी प्रक्रियाएं हमें और अधिक समस्याएं नहीं लाती हैं और हमारे साथ देशों के संबंधों में और समस्याएं आती हैं। पहले से ही इन समस्याओं का बहुत कुछ मसला है।

रूस में विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत

मॉस्को। रूस में रियाजान शहर के समीप एक सैन्य विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से चार लोगों की मौत हो गयी जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। क्षेत्रीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रारंभिक जानकारी के हवाले से स्थानीय सरकार के प्रतिक्रिया बल समूह के सदस्यों ने कहा कि रियाजान के मिखाइलोवस्कॉय रोडवे के पास विमान दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गयी है और पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है , जहा उनकी हालत स्थिर बतायी गयी है। रियाजान के कार्यवाहक क्षेत्रीय गवर्नर पावेल मालकोव ने टेलीग्राम पर कहा कि घायलों की हालत स्थिर, लेकिन गंभीर है। उन्होंने कहा, क्षेत्र के सभी विभागों की त्वरित कार्यवाही की वजह से बचाव अभियान संभव हो सका। वर्तमान में रियाजान के चिकित्सक विमान दुर्घटना में घायल हुये पांच पीड़ितों के इलाज में जुटे हैं। उनकी स्थिति अभी भले ही स्थिर है, लेकिन गंभीर भी बनी हुई है। श्री मालकोव ने कहा, विमान क्रू के सदस्यों व पायलट को विशेष आभार जताता हूं, जिन्होंने क्षतिग्रस्त विमान को आवासीय परिसरों से दूर ले जाने में काफी मशक्कत की।

अफगानिस्तान में दोबारा आये भूकंप से पांच लोगों की मौत, कई घायल

काबुल। अफगानिस्तान के पाकटिका प्रांत के गयान जिले में शुक्रवार को भूकंप के झटके आने से पांच लोगों की मौत हो गयी और 11 अन्य घायल हो गए। शिन्हुआ ने तालिबान के द्वारा नियुक्त किए गए सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा, शुरुआती जानकारी के मुताबिक पाकटिका प्रांत के गयान जिला में शुक्रवार को दुर्भाग्य से एक बार फिर स्थानीय समय के अनुसार करीब सुबह दस बजे भूकंप आया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गयी है और 11 अन्य घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि बुधवार को भी अफगानिस्तान के पाकटिका जिला और खोस्त प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो गयी और अन्य 1,600 लोग घायल हो गए।

अमेरिका ने यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन के लिए 45 करोड़ डॉलर के एक और सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की है। इसमे चार हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम(एचएमएआरएस) शामिल हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने इसपर अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका देश अमेरिकी के इस फैसले के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन और वहां के लोगों का आभार व्यक्त करता है। ज़ेलेंस्की ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा कि अमेरिका से अतिरिक्त एचएमएआरएस सहित अन्य प्रकार के समर्थन मिलना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और इन संयुक्त प्रयासों से हम यूक्रेन की भूमि को रूसी हमलावर से मुक्त करायेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रूकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रूकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिखेंइा देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।